राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,21जून-2021 वर्ष-4, अंक -148पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

कोविड-19 की थर्ड वेव से निपटने को दिल्ली पुलिस का खास प्लान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस कमिश्नर एस.एन. श्रीवास्तव ने कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए जिला और थाना स्तर पर जन स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन कमेटी बनाने की घोषणा की है। दिल्ली पुलिस की ओर से शनिवार को जारी एक बयान के मुताबिक, दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने बाजार और आबादी वाले इलाके में कोविड-19 नियमों को लागू कराने के कदमों पर चर्चा करने के लिए बैठक की। इस दौरान कमिश्नर ने संस्थागत व्यवस्था के तहत जन स्वास्थ्य के प्रबंधन के लिए जिला और थाना स्तर पर कमेटी गठित करने की घोषणा की, जिसकी जरूरत कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर को रोकने और निपटने के लिए है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि यह कमेटी जन स्वास्थ्य को लेकर उत्पन्न होने वाली आपात स्थिति, प्रवासी कामगारों की आवाजाही, बेसहारा, बुजुर्ग नागरिकों और महिलाओं की देखरेख, भूखे और जरूरतमंदों को भोजन या राशन की आपूर्ति सहित अन्य कामों के लिए पेशेवर प्रतिक्रिया मुहैया कराएगी। बयान में कहा गया कि इन कमेटियों का सबसे अहम उद्देश्य जनता में कोविड अनुकूल व्यवहार को स्वीकार्य बनाना है और इसे व्यवस्थागत और स्वेच्छा से लागू करना है ताकि दंडात्मक कार्रवाई की कम से कम जरूरत पड़े। श्रीवास्तव ने कहा कि हालांकि पुलिस कोविड-19 नियमों का पालन कराती है, लेकिन केवल दंडात्मक चालान से ही इसे 100 प्रतिशत लागू करना संभव नहीं होता। उन्होंने कहा कि कोविड-19 अनुकूल नियम तभी सुनिश्चित हो सकते हैं जब सभी नागरिक स्वेच्छा से इन्हें अपनी जिम्मेदारी और कर्तव्य मानकर अमल में लाएं। पुलिस नियम तोड़ने पर मुकदमा चला सकती है, लेकिन यह न्यूनतम होना चाहिए न कि परिपाटी। बयान के मुताबिक, पुलिस मुख्यालय में बने कोविड प्रकोष्ठ को अपग्रेड कर जन स्वास्थ्य आपात प्रबंधन प्रकोष्ठ में तब्दील किया जाएगा,

शिवसेना-कांग्रेस में पड़ रही दरार ?

अब उद्धव बोले-कोई अकेले लड़ने की बात करेगा तो लोग जूतों से पीटेंगे

मुंबई। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी की गाड़ी लड़खड़ाती नजर आ रही है और गठबंधन में शिवसेना और कांग्रेस के बीच दरार की खाई और गहरी ही होती जा रही है। महाराष्ट्र में कांग्रेस चीफ नाना पटोले और अन्य लोकल नेता के अकेले चुनाव लड़ने वाले बयान पर मचे घमासान के बीच उद्धव ठाकरे की प्रतिक्रिया आई है। उद्धव ठाकरे ने शनिवार को इशारों-इशारों में स्थानीय कांग्रेस नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोगों की समस्याओं का समाधान किए बिना अकेले चुनाव लड़ने की बात करेगा, उन्हें लोग जूते से पीटेंगे। कांग्रेस या किसी कांग्रेस नेता का नाम लिए बगैर उद्धव ठाकरे ने कहा कि अगर हम लोगों की समस्याओं के समाधान की पेशकश नहीं करते हैं और केवल राजनीति में अकेले लड़ने की बात करते हैं, तो लोग हमें जूते से पीटेंगे। वे हमारी अकेले चुनाव लड़ने की पार्टी केंद्रित महत्वाकांक्षी बात नहीं सुनेंगे। हाल ही में मुंबई कांग्रेस प्रमुख भाई जगताप ने कहा था कि वह शिवसेना से हाथ मिलाए बिना अगले साल के मुंबई निकाय चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी के 55वें स्थापना दिवस के अवसर पर कहा कि सभी राजनीतिक पार्टियों को अपनी आकांक्षाएं अभी अलग रखनी चाहिए और अर्थव्यवस्था और हेल्थ पर फोकस करना चाहिए। कोरोना वायरस महामारी के बीच अपनी पार्टी के 55 वें स्थापना दिवस के मौके पर ठाकरे ने कहा कि देश के समक्ष अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य के दो प्रमुख मुद्दे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि सभी राजनीतिक दल यह तय करें कि वे सत्ता के लिए राजनीतिक सफलता चाहते हैं या आर्थिक मोर्चे पर समाधान खोजने के लिए। सामाजिक अशांति इसका वर्णन करने के लिए एक

कठोर शब्द होगा, लेकिन देश निश्चित रूप से सामाजिक अशांति की ओर बढ़ रहा है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि अगर कोई पार्टी यह कहना चाहती है कि वह दूसरों से हाथ मिलाए बिना चुनाव लड़ना चाहती है, तो उसे लोगों को आत्मविश्वास और साहस देना चाहिए। अन्यथा लोग पूछेंगे कि पार्टी के पास उन्हें आजीविका, नौकरी देने की क्या योजना है। बता दें कि दशकों से विरोधी रहे शिवसेना और कांग्रेस ने 2019 में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के भाजपा से अलग होने के बाद शरद पवार की एनसीपी के साथ महाराष्ट्र में सरकार बनाई। उन्होंने कहा कि यह तय करने का भी समय आ गया है कि क्या हम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए राजनीतिक ताकत चाहते हैं (या किसी और चीज के लिए)। अगर हम अपने सामने आर्थिक और स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान खोजने के तरीकों पर विचार किए बिना आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति में लिप्त रहते हैं, तो हम गंभीर संकट में हैं। उद्धव ठाकरे के पिता बाल ठाकरे ने 1966 में शिवसेना का गठन किया था।

नाना पटोले ने पूरा क्या कहा था

नाना पटोले ने कहा, कांग्रेस महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव अकले लड़ेगी। अगर आलाकमान फैसला लेता है तो मैं मुख्यमंत्री का चेहरा बनने को तैयार हूं। पटोले के इस बयान से एक बार फिर यह संकेत मिले हैं कि राज्य की महा

मुंबई कांग्रेस प्रमुख भाई जगताप ने कहा था कि वह शिवसेना से हाथ मिलाए बिना अगले साल के मुंबई निकाय चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी के 55वें स्थापना दिवस के अवसर पर कहा कि सभी राजनीतिक पार्टियों को अपनी आकांक्षाएं अभी अलग रखनी चाहिए

विकास अघाड़ी सरकार में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है।

हालांकि, राज्य की गठबंधन सरकार में सबसे अहम भूमिका निभा रही एनसीपी ने कहा था कि महा विकास अघाडी (एमवीए) के तीनों घटक महाराष्ट्र सरकार चलाने के मुद्दे पर एकजुट हैं लेकिन वर्ष 2024 में होने वाले राज्य विधानसभा और लोकसभा के चुनाव साथ लड़ने पर अबतक फैसला नहीं हुआ है।

बैक-टू-बैक भूकंप, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में सुबह-सुबह हिली धरती

नई दिल्ली। रविवार की सुबह भारत के उत्तरपूर्वी हिस्से से एक के बाद एक भूकंप की सूचना मिली है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने भूकंप की इस सीरीज की सूचना दी। ये भूकंप रिक्टर स्केल पर मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में क्रमश~ 3.1 और 3.6 की तीव्रता के साथ आए। हालांकि इन घटनाओं में अभी तक किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की खबर नहीं है। एनसीएस द्वारा जारी अलर्ट के अनुसार, पहला भूकंप, रिक्टर पैमाने पर 3.1 तीव्रता का, अरुणाचल प्रदेश के पांगिन के पास लगभग 1:02 बजे आया। इसके तुरंत बाद एक और भूकंप आया, जिसकी तीव्रता मणिपुर के उकरुल जिले के शिरुई गांव के पास रिक्टर पैमाने पर 3.6 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, पहला भूकंप अरुणाचल प्रदेश में पांगिन से 95 किलोमीटर उत्तर-उत्तर-

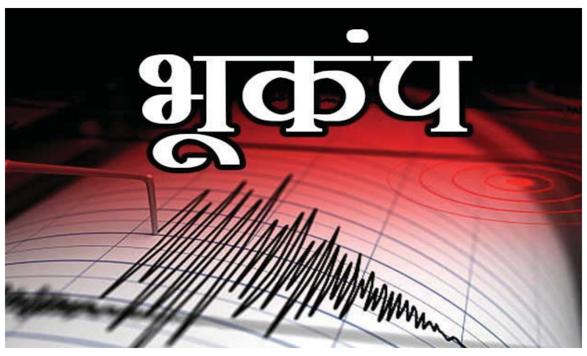

पश्चिम में 17 किलोमीटर की गहराई पर आया। दूसरा भूकंप मणिपुर में शिरुई से 20 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में 1:22 बजे 30 किलोमीटर की गहराई पर आया। एनसीएस ने बताया कि थोड़ी देर बाद उत्तराखंड में उत्तरकाशी से 62 किमी उत्तर में 15 किमी की गहराई पर लगभग 5:41 बजे, एक और हल्का भूकंप, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.1 नापी गई। बता दें कि इससे पहले असम में शुक्रवार देर रात 4.2 तीव्रता का भूकंप आया। पूर्वोत्तर क्षेत्र में शुक्रवार को 24 घंटे में ये पांचवां भूकंप आया था।

कोरोना से जान गंवाने वालों के परिजनों को नहीं दे सकते 4-4 लाख का मुआवजा

सुप्रीम कोर्ट में मोदी सरकार का जवाब

नई दिल्ली। देशभर में कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से जान गंवाने वाले लोगों के परिवार को चार लाख रुपए अनुग्रह राशि दिए जाने का अनुरोध करने वाली याचिका पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जवाब दाखिल किया है। सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर केंद्र सरकार ने कहा कि वह कोरोना वायरस की वजह से जान गंवाने वाले लोगों के परिवार को 4-4 लाख रुपए का मुआवजा नहीं दे सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्र ने कहा है कि कोविड-19 के पीड़ितों को 4 लाख रुपये का मुआवजा नहीं दिया जा सकता है क्योंकि आपदा प्रबंधन कानून में केवल भूकंप, बाढ़ आदि प्राकृतिक आपदाओं पर ही मुआवजे का प्रावधान है। सरकार ने आगे कहा कि अगर एक बीमारी से होने वाली मौत पर मुआवजे की राशि दी जाए और दूसरी पर नहीं तो यह पूरी तरह से गलत होगा।

सरकार ने कहा कि अगर कोरोना से जान गंवाने वाले सभी लोगों को 4 लाख की अनुग्रह

राशि दी जाती है तो फिर एसडीआरएफ का पूरा पैसा सिर्फ एक चीज पर खर्च हो जाएगा और इससे महामारी के खिलाफ लड़ाई में उपयोग होने वाली राशि प्रभावित होगी। अगर एसडीआरएफ फंड को कोरोना पीड़ितों को मुआवजा देने में खर्च किया जाता है तो इससे राज्यों की कोरोना के खिलाफ लड़ाई प्रभावित होगी और अन्य चिकित्सा आपूर्ति और आपदाओं की देखभाल के लिए पर्याप्त धन नहीं बचेंगे। इसलिए कोरोना से मरे व्यक्तियों को अनुग्रह राशि के भुगतान के लिए याचिकाकर्ता की प्रार्थना राज्य सरकारों की वित्तीय सामर्थ्य से परे है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों की मानें तो देश में कोरोना वायरस की वजह से महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक करीब चार लाख लोगों की जानें जा चुकी हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में केंद्र और राज्यों को आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत संक्रमण के कारण जान गंवाने वाले लोगों के परिवार को चार लाख रुपये अनुग्रह राशि देने का अनुरोध किया गया है। सुप्रीम कोर्ट मामले में सोमवार को सुनवाई करेगा।

पूर्वोत्तर के किसानों की मदद के लिए कदम उठाएगी मोदी सरकार

बायोटेक-किसान कार्यक्रम लाने की तैयारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार पूर्वोत्तर क्षेत्र में लघु एवं सीमांत किसानों, खास तौर से महिलाओं तक लाभ पहुंचाने के लिए खेतों को नवीन कृषि तकनीकों से जोड़ने की दिशा में काम करेगी। यह कदम सरकार अपने 'बायोटेक-किसान कार्यक्रम' के तहत उठाएगी। विज्ञान एवं तकनीक मंत्रालय ने बताया कि बायोटेक्नोलाजी विभाग ने अपने कार्यक्रम के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए एक विशेष पहल की शुरुआत की है। स्थानीय किसानों के मुद्दों को समझा जा सकेगा और उनकी समस्याओं का वैज्ञानिक समाधान निकाला जा सकेगा। मंत्रालय ने बताया कि मौजूदा पहल खास तौर पर पूर्वोत्तर क्षेत्र पर केंद्रित है, क्योंकि इस क्षेत्र की बड़ी आबादी पहले से ही कृषि पर निर्भर है। यहां कुल श्रमबल का 70 फीसद आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र या उससे जुड़े क्षेत्र में काम करता है। मंत्रालय ने कहा कि पूर्वोत्तर में कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों की आय को बढ़ाने की संभावनाओं पर काफी काम किया जाना है। इस क्षेत्र में स्थान आधारित विशेष फसल को बढ़ावा देकर, बागवानी और पेड़ों से आय, मत्स्य एवं पशु उत्पादन संबंधी क्षेत्रों को बढ़ावा देना शामिल है। केंद्र सरकार ने कहा है कि वह किसानों से आधी रात को भी बात करने को तैयार है। पहले भी सरकार ने किसानों से कई बार बातचीत कर समस्या का हल निकालने का प्रयास किया है। केंद्र सरकार किसानों से बातचीत करने के लिए तैयार है। कानून वापस लेने की मांग को छोड़कर कानून से संबंधित किसी भी प्रविधान पर सरकार, किसी भी किसान यूनियन से आधी रात को बात करने आ सकती है।

कोरोना महामारी के चलते 70 साल से ज्यादा के कैदियों की रिहाई को मेधा पाटकर पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर ने 70 साल से ज्यादा उम्र के कैदियों की तत्काल रिहाई के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने अपनी याचिका में कोरोना महामारी का हवाला देते हुए शीर्ष अदालत से इस आयुवर्ग के बंदियों को अंतरिम जमानत अथवा आपातकालीन पैरोल पर रिहा करने के लिए केंद्र व राज्यों को निर्देश देने की मांग की है। अधिवक्ता विपिन नैयर के जरिये दाखिल याचिका में पाटकर ने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला ने कहा था कि कोई भी किसी राष्ट्र को तब तक सही मायने में नहीं जानता, जब तक कि वह वहां की जेलों के भीतर

की हकीकत न जान ले।' याचिका में राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि देश की जेलों में बंद 50 वर्ष या उससे अधिक उम्र के कैदियों की संख्या 63,336 है जो कुल कैदियों का 13.2 प्रतिशत है। 16 मई तक राष्ट्रीय कारागार सूचना पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक 70 और इससे अधिक उम्र के 5,163 लोग जेल में बंद हैं। इनमें महाराष्ट्र, मणिपुर और लक्षद्वीप के आंकड़ें शामिल नहीं हैं।

मामले की संक्षिप्त पृष्ठभूमि देते हुए, याचिका में कहा गया है कि शीर्ष अदालत ने 23 मार्च, 2020 को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उच्चाधिकार प्राप्त समितियां का गठन करने का निर्देश दिया था, ताकि उन कैदियों की श्रेणी का निर्धारण किया जा सके जिन्हें आपातकालीन पैरोल या अंतरिम जमानत पर रिहा किया जा सकता है।

याचिका में यह भी कहा गया है कि 13 अप्रैल, 2020 को अदालत ने स्पष्ट किया कि उसने राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों को कैदियों को उनकी संबंधित जेलों से अनिवार्य रूप से रिहा करने का निर्देश नहीं दिया था। पहले के निर्देश का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि देश में वर्तमान महामारी के प्रकोप के संबंध में राज्य / केंद्र शासित प्रदेश अपनी जेलों की स्थिति का आकलन कर सकें और कुछ कैदियों को रिहा कर सकें और इस उद्देश्य के लिए रिहा किए जाने वाले कैदियों की श्रेणी निर्धारित कर सकें।

पंजाब में सामने आया ग्रीन फंगस का पहला मामला

जालंधर अस्पताल में भर्ती

जलांधर। कोरोना से जूझ रहे पंजाब के सामने नया संकट आ गया है। जालंधर में ग्रीन फंगस का पहला मरीज मिला है। देश का यह दूसरा मरीज है जिसमें ग्रीन फंगस की पुष्टि हुई है। इससे जिले में सनसनी फैल गई है। चिकित्सक टीम मरीज की पूरी हिस्ट्री तैयार करने में जुट गई है। 61 साल के मरीज को मार्च में कोरोना हुआ था। ठीक होने के बाद जून में उसे ग्रीन फंगस की पुष्टि हुई है। मरीज बाबा बकाला का रहने वाला है। वह अमृतसर मार्ग पर स्थित मकसूदां स्थित सेक्रेड हार्ट अस्पताल के आईसीयू में भर्ती है। ग्रीन फंगस का पहला मरीज कुछ दिन पहले मध्यप्रदेश के

इंदौर में मिला था। कोरोना संक्रमित मरीजों के ठीक होने के बाद ब्लैक फंगस समेत कई बीमारियां जकड़ रही है और जालंधर में देश का दूसरा ग्रीन फंगस का मरीज मिलने से चिकित्सकों में खलबली मच गई है। अस्पताल की चीफ एडमिनिस्ट्रेटर ग्रेस पुम्कुड़ी ने कहा कि मरीज को मार्च महीने में कोरोना हुआ था। कोरोना से वह ठीक हो गया लेकिन अब सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। 14 जून को परिजन उसे अस्पताल दिखाने लाए थे। जब डॉक्टर आशुतोष ने जांच की तो उन्हें फेफड़ों में फंगस का संदेह हुआ। फंगस की पुष्टि के लिए उसका टेस्ट कराया गया। निजी लैब से शनिवार रिपोर्ट आई तो इसकी पुष्टि हो गई कि मरीज के फेफड़ों में ग्रीन फंगस है। फिलहाल मरीज का इलाज जारी है। पूरे मामले की रिपोर्ट जिलाधीश व सिविल सर्जन व चंडीगढ़ नोडल अधिकारी को भेज दी गई है। विशेषज्ञों के अनुसार एसपरजिलस फंगस को ही सामान्य भाषा में ग्रीन फंगस कहा जाता है। एसपरजिलस कई तरह की होती है। ये शरीर पर काली, नीली हरी, पीली हरी और भूरे रंग की पाई जाती है। एसपरजिलस फंगल संक्रमण भी फेफड़ों को प्रभावित कर सकता है। इसमें फेफड़ों में मवाद भर जाता है, जो इसे खतरनाक बना देता है। दरअसल, यह फंगस फेफड़ों को काफी तेजी से संक्रमित करता है।

ठीक होने के बाद जून में उसे ग्रीन फंगस की पुष्टि हुई है। मरीज बाबा बकाला का रहने वाला है। वह अमृतसर मार्ग पर स्थित मकसूदां स्थित सेक्रेड हार्ट अस्पताल के आईसीयू में भर्ती है। ग्रीन फंगस का पहला मरीज कुछ दिन पहले मध्यप्रदेश के इंदौर में मिला था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

संक्रमण से सावधान

केंद्रीय गृह सचिव ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर कोरोना प्रोटोकाल का पालन कराने के जो निर्देश दिए, उन पर गंभीरता से ध्यान देने की सख्त जरूरत है, क्योंकि जैसे-जैसे लाकडाउन में ढील दी जा रही है, वैसे-वैसे सार्वजनिक स्थानों में भीड़ बढ़ती दिख रही है। चिंताजनक यह है कि यह भीड़ न तो शारीरिक दूरी के पालन के प्रति सचेत दिखती है और न ही संक्रमण से बचे रहने के अन्य उपायों को अपनाने के प्रति। यह हैरान करता है कि सार्वजनिक स्थलों में बहुत से लोग ऐसे दिखते हैं, जो मास्क भी नहीं लगाए होते। यदि लगाए भी होते हैं तो गलत तरीके से। इसमें संदेह है कि ऐसे लोग अपनी सेहत के प्रति जरूरी सजगता बरतते होंगे। आवश्यक केवल यह नहीं है कि राज्य सरकारें और उनका प्रशासन लोगों को उन तौर-तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करे, जो कोरोना संक्रमण से बचे रहने में सहायक हैं, बल्कि यह भी है कि ऐसे उपाय करें, जिससे लोग कोरोना प्रोटोकाल का

उल्लंघन करने से हिचकें। सार्वजनिक स्थलों पर शारीरिक दूरी का परिचय देने और सही तरह मास्क लगाने के लिए केवल टोका-टोकी ही नहीं होनी चाहिए, बल्कि ऐसी व्यवस्था भी की जानी चाहिए, जिससे किसी एक जगह ज्यादा लोग न एकत्रित होने पाएं। बतौर उदाहरण सब्जी-फल मंडियों, साप्ताहिक बाजारों और ऐसे ही अन्य भीड़ वाले स्थलों में दुकानें पास-पास नहीं लगने देनी चाहिए। इसी तरह भीड़ वाले स्थानों में एक सीमा से अधिक लोगों को जाने से रोकने की भी कोई व्यवस्था बनानी चाहिए। केवल सरकारी आदेश-निर्देश से वे लोग चेतने वाले नहीं, जो संक्रमण से बचने के लिए सावधानी का परिचय आदतन नहीं देते। केंद्रीय गृह सचिव ने राज्यों को यह भी निर्देश दिया है कि ज्यादा से ज्यादा कोरोना टेस्ट करने की भी जरूरत है। उचित यह होगा कि अलग-अलग स्थानों पर जाकर औचक टेस्ट किए जाएं, क्योंकि कई बार लोग तब तक स्वेच्छा से टेस्ट नहीं कराते, जब तक किसी समस्या से दो-चार नहीं होते। यह ठीक है कि ज्यादातर राज्यों में संक्रमण के मामले घट रहे हैं, लेकिन इसके आधार पर इस नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता कि महामारी से मुक्ति मिलने जा रही है। अभी इसके आसार नहीं हैं। आसार तो इसके हैं कि सितंबर-अक्टूबर में संक्रमण की तीसरी लहर आ सकती है। हालांकि सभी राज्य सरकारें तीसरी लहर से निपटने की तैयारी कर रही हैं, लेकिन यह तैयारी सचमुच होनी चाहिए। बेहतर होगा कि इसकी परख लगातार की जाती रहे कि तीसरी लहर का मुकाबला करने के लिए पर्याप्त प्रबंध किए जा रहे हैं या नहीं? इसके साथ ही टीकाकरण अभियान में सचमुच तेजी भी लाई जानी चाहिए।

‘आज के ट्वीट

टॉप

अगले 5 साल में..अयोध्या..दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थस्थल होगा...
ये अकेला हमारी जीडीपी को टॉप पर ले आएगा

\- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

महामारी के बाद मानसिक सेहत के प्रश्न

राहुल सिंह

मनुष्य और मानसिक बीमारियों का नाता हजारों-हजार साल से रहा है। आधुनिकीकरण से पैदा हुए संत्रास और दबावों की वजह से बने मानसिक विकारों पर विकसित देशों में अब ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। सौभाग्यवश आज हमारे पास इस अवस्था का इलाज करने को मनोचिकित्सक और परामर्श देने वाले मनोविज्ञानी मौजूद हैं। लेकिन कम विकासशील मुल्कों में, बहुत से मानसिक रोगी अधिकांशतः बदसलूकी झेलते हैं और देखभाल विहीन हैं। भारत में, प्रशिक्षित मनोचिकित्सकों की संख्या बहुत कम है। उनके पास जाने में लोग इसलिए भी कतराते हैं क्योंकि आम धारणा है कि जो कोई जाता है, वह अवश्य पागल माना जाएगा। परिणामवश बहुत से तथाकथित स्वयंभू गॉडमैन, जिनमें अधिकांश नीम-हकीम हैं, काफी फलते-फूलते हैं। इनमें कुछ तो बहुत ही गलीज किस्म के हैं-एकदम अपराधी। आसाराम बापू और गुरमीत राम-रहीम तो मात्र दो हैं, जो पकड़ में आए और जेल में हैं। अन्यथा समाज में बहुत से ऐसे खुले घूम रहे हैं और नादान भक्तों को ठग रहे हैं। परंतु यह तथाकथित गॉडमैन बहुत बड़ी संख्या में भारतीयों, विदेशियों को भी, कुछ ढांढस और तसल्ली बंधाने का काम जरूर करते हैं, क्योंकि स्थापित धर्म यह करने में असफल रहते हैं। सुनने में यह अजीब लग सकता है, मेरे हिसाब से, यह लोग भारत के वे मनोचिकित्सक हैं, जिन्हें मनोचिकित्सा का जरा भी इल्म नहीं है। हां, अंदाजा लगाने में ये इतने माहिर होते हैं कि अपने भक्तों की अंदरूनी असुरक्षा को भांप लेते हैं और इसका दोहन करते हैं। हैरानी की बात है कि उनका मुरीद बनने वालों में नामचीन हस्तियां, यहां तक कि प्रधानमंत्री भी होते हैं। इंदिरा गांधी का करीबी संवाद धीरेंद्र ब्रह्मचारी से था, पीवी नरसिम्हा राव का चंद्रास्वामी से, तो पॉप गायक बीट्ल्स ने महर्षि महेश योगी को अपना आध्यात्मिक गुरु बना रखा था (हालांकि बाद में मोहभंग हो गया था)। देश के बड़े कानूनी माहिरों में एक नानी पालखीवाला साईं बाबा के परम भक्त थे, तो क्रिकेटर सुनील गावस्कर भी। मनोविकार का सिलसिला दरअसल पुश्त-दर-पुश्त चलता है। कई परिवारों में मानसिक असंतुलन से पीड़ित अनेक सदस्य होते हैं, यह व्याधि अगली पीढ़ी में जाती रहती है। ऐसे ही एक सनकी मेरे एक परदादा थे, जिन्हें महारानी विक्टोरिया को खत लिखना पसंद था। उनके एक पोते यानी मेरे चाचा भी मानसिक असंतुलन का शिकार थे, और उनकी परपोती अर्थात मेरी चचेरी बहन की पुत्री ने ऑक्सफोर्ड में पीएचडी करते समय आत्महत्या कर ली थी। सनकीपन और पागलपन के बीच फर्क की लकीर बहुत महीन होती है, ठीक ऐसा ही बाइपोलर डिसऑर्डर (अप्रत्याशित मिजाज) और सिज़ोफ्रेनिया (मतिभ्रम) के बीच है। वक्त के हिसाब से व्यक्ति में समय-समय पर इनके लक्षण नमूदार होते हैं, सो कह सकते हैं कि वह दोनों बीमारियों से ग्रस्त होते हैं। सबसे मशहूर सिज़ोफ्रेनिक हस्ती जॉन नैश थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार मिला था, कुछ साल पहले उन पर आधारित एक बढ़िया फिल्म ‘ए ब्यूटीफुल माइंड’ बनी थी। उनको ख्यालों में लगातार कल्पनीय राक्षस सताते रहते थे! अप्रत्याशित मिजाज और अवसाद भी अन्य आम मनोविकार हैं। जैसा कि बॉलीवुड की सुपरस्टार दीपिका पादुकोण ने रहस्योद्घाटन किया है, मशहूर होना अवसाद से बचे रहने में सहायक नहीं होता। विगत की नामी हीरोइन परवीन बाबी, जो अपने जमाने की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक थीं, वह अवसाद और मतिभ्रम की इस कदर शिकार हुई, जो आगे और ज्यादा तीव्र होकर दिमागी बीमारी में तबदील हो गए, लगभग पागलपन। लेकिन कम ही लोगों ने सोचा होगा कि खिलाड़ी भी मनोविकार से ग्रस्त हो सकते हैं। हाल ही में जापान की 23 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका, जो विश्व की सबसे अमीर महिला खिलाड़ी हैं, ने फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट में पहला राउंड जीतने के बाद अचानक पलायन कर खेल जगत को चौंका दिया। वर्ष 2018 से ही नाओमी अवसाद की तीव्र लहरों से ग्रस्त हैं। उस साल यूएस ओपन टूर्नामेंट के फाइनल में किंवदंती बनी सेरेना विलियम्स को हराकर खिताब जीता था। उस मैच में दर्शक पूरे वक्त जी-जान से सेरेना के एकतरफा समर्थन में थे। यह परिदृश्य और बाद में हुई प्रेस वार्ता के दौरान असहज प्रश्नोतरी ने नाओमी को अंदर से डांवांडोल कर दिया, यह स्पष्ट है कि इसके बाद वह प्रेस वार्ताओं में पत्रकारों के मुश्किल सवालों से खौफ खाने लगी। इसलिए उन्होंने घोषणा की कि आईंदा फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट में मैच के बाद होने वाली रिवायती पत्रकार वार्ता में भाग नहीं लूंगी (इसके लिए भारी जुर्माना लगा)। इस प्रसंग ने टूर्नामेंट से पलायन करवाया है। अब इस बात को लेकर काफी कयासबाजी है कि क्या वह विम्बलडन टूर्नामेंट में भाग लेगी या नहीं। तो क्या हम मानसिक मसले से सही ढंग से न निपट पाने की वजह से एक महान खिलाड़ी के टेनिस करियर का अंत वक्त से पहले होता देखने जा रहे हैं? अगर नाओमी मीडिया के सामने आने से कतरा रही है तो उन्हें यह हक होना चाहिए। टेनिस की बात चली है तो हमारे भारत में एक खिलाड़ी प्रेमजीत लाल हुए हैं (उन्होंने विम्बलडन में महान खिलाड़ी रॉड लैवर को नाको चने चबवा दिए थे)। सालों तक सामान्य रहने के बाद जीवन के आखिरी समय में वह अचानक गहरे अवसाद का शिकार हो गए थे। महामारी की कवरेज को लेकर सोशल मीडिया पर भारतीय टेलीविजन चैनल निशाने पर हैं। पवित्र गंगा में तैरती सैकड़ों लाशें, नदी तटों की रेत में जल्दबाजी में दफनाए शव, श्मशानों में लगा अर्थियों का हजूम, अस्पतालों में बिस्तरों की अनुपलब्धि, ऑक्सीजन की कमी से सांस लेने को तड़पते मरीज-इन सबका नाटकीय तफ्सील से किया चित्रण, शायद व्यथित करने वाला, अनेकानेक टीवी चैनलों पर दिखाया गया। फेसबुक की एक पोस्ट में इसको दूसरी महामारी ठहराया गया था, इस दफा मानसिक असंतुलन बिगाड़ने वाली। रिपोर्टर और एंकरों को ऐसा ‘घोलस’ (मौत में रुचि लेने वाला पिशाच) बताया गया जो मृतकों के आखिरी पलों की गंभीरता का उल्लंघन कर बेइज्जत करने जैसा है। इस पोस्ट का समर्थन करने वालों की संख्या नापंसद करने वालों की गिनती से कहीं अधिक थी। मानना पड़ेगा कि ऐसी दृश्यावली ने बहुतों को मानसिक संताप में ढकेला होगा, खासकर कच्चे मन वाले युवाओं और अधिक संवेदनशील लोगों को। दूसरी ओर, बेशक यथार्थ कई मर्तबा वीभत्स और अवसाद पैदा करने वाला होता है, परंतु क्या इसे बिल्कुल न दिखाया जाए, मानो कुछ गलत हुआ ही नहीं? और हां, वैश्विक महामारी के दौरान मानसिक रूप से उद्वेलित हुए लोगों की संख्या में बहुत इजाफा देखा गया है, उन्हें परामर्श की जरूरत है, शायद मनोचिकित्सा की भी। विद्यार्थियों को ऑनलाइन पढ़ाई और घर में ही बने रहना पड़ रहा है। उनमें कुछ ऐसी स्थिति को नहीं संभाल पा रहे होंगे, जिससे उनका वास्ता कभी पहले नहीं पड़ा। उन्हें अभिभावकों के परामर्श की जरूरत है, हो सकता है उन्हें यह करना आता न हो। करोड़ों लोग अचानक बेरोजगार हो गए हैं या रोजी रोटी गंवा बैठे हैं। उन्हें भी किसी न किसी किस्म की मनोवैज्ञानिक सांत्वना की जरूरत है। देश में स्वास्थ्य सुविधाओं में बुनियादी ढांचे की कमी पर काफी चर्चा हुई है। अवश्य ही इसमें ज्यादा निवेश और तत्काल आमूलचूल परिवर्तन की जरूरत है। लेकिन इस बीच मानसिक स्वास्थ्य की अहमियत को न भूलें, जिसे लंबे समय से नज़रअंदाज़ और उपेक्षित किया जाता रहा है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

संक्रमण से सावधान

आचार्य रजनीश ओशो/ मित्रता वह प्रेम है जो बिना जैविक कारणों से होता है। यह वैसी मित्रता नहीं है जैसा कि तुम सामान्य रूप से समझते हो--प्रेमी या प्रेमिका की तरह। यह जो शब्द--मित्रता है, उसे किसी भी तरह यौनाकर्षण से संयुक्त कर देखना निरी मूर्खता है। यह सम्मोहन और पागलपन है। जैविकता प्रजनन के लिए तुम्हारा उपयोग कर रही है। अगर तुम यह सोचते हो कि तुम प्रेम में हो, तो तुम गलती में हो, यह केवल हार्मोन का आकषर्ण है। तुम्हारे शरीर का रसायन बदला जा सकता है और तुम्हारा प्रेम नदारद हो जाएगा। हार्मोंस का केवल एक इंजेशन, और पुरु ष स्त्री बन सकता है और स्त्री पुरु ष बन सकती है। मित्रता है बिना यौनाकषर्ण का प्रेम। यह एक दुर्लभ घटना बन गई है। अतीत में यह महत्त्वपूर्ण घटना रही है, पर अतीत की कुछ महान अवधारणाएं बिल्कुल खो गई हैं। यह बहुत आश्चर्यजनक है कि कुरूप चीजें हमेशा जिद्दी होती हैं, वे आसानी से नहीं मरतीं; और सुंदर चीजें बहुत कोमल होती हैं, वे आसानी से मर जाती हैं और गुम हो जाती हैं। आज कल मित्रता को केवल यौनाकषर्ण के संबंध में या आर्थिक स्तर पर या सामाजिकता के तौर पर ही समझा जाता है, वह महज परिचय है या जान-पहचान है। मित्रता का मतलब है कि आवश्यकता पड़ने पर तुम स्वयं का बलिदान करने को भी तत्पर हो। मित्रता का मतलब है कि तुमने किसी अन्य व्यक्ति को स्वयं से ज्यादा महत्त्वपूर्ण माना। यह व्यापार नहीं है। यह अपने आप में पवित्र प्रेम है। जिस तरह से तुम अभी हो, वैसे ही इस तरह की मित्रता संभव है। अचेतन व्यक्ति भी इस तरह की मित्रता रख सकते हैं, लेकिन जब तुम स्वयं के प्रति ज्यादा सजग होने लगते हो तब मित्रता मैत्री में बदलने लगती है। मैत्री का आशय ज्यादा व्यापक, ज्यादा बड़ा आकाश है। मैत्री के मुकाबले मित्रता छोटी चीज है। मित्रता टूट सकती है और मित्र शत्रु बन सकता है। मित्रता में इस तरह की स्थिति बदलने की संभावना हमेशा बनी रहती है। इस संबंध में मुझे मैक्यावली का स्मरण होता है, जिसने विश्व के राजकुमारों को मार्गदर्शन किया है उसकी महान किताब ‘दि प्रिन्स’ में। उनमें से एक परामर्श यह था- ऐसी कोई बात अपने मित्र को मत बताओ जो कि तुम अपने शत्रु को नहीं बता सकते क्योंकि वह व्यक्तिजो आज मित्र है, कल शत्रु बन सकता है। और एक परामर्श यह भी था कि अपने शत्रु के संबंध में भी ऐसा मत बोलो, जो उसके विरोध में हो, क्योंकि शत्रु भी कल मित्र बन सकता है।

आज का राशिफल

मेष	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
वृषभ	पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।
मिथुन	जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
कर्क	आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
सिंह	राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।
कन्या	संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।
तुला	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।
वृश्चिक	व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।
कुम्भ	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
मीन	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

अभावों की तपिश से निखरा चेतन

अरुण नैथानी

सफलता अमीरी-गरीबी की मोहताज नहीं होती, लेकिन गरीबी में इंसान को सफलता के मुकाम तक पहुंचने में बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। बहुत कुछ खोना पड़ता है। बहुत कुछ सहना पड़ता है। लेकिन यदि लक्ष्य के प्रति संकल्प मजबूत हो तो सफलता को आना ही पड़ता है। गुरबत के तमाम झंझावात झेलकर निखरे क्रिकेटर चेतन सकारिया इसकी जीवंत मिसाल है। उसके परिवार के कष्टों व दुखों का सिलसिला अब थम-सा गया है जब उनका चयन भारतीय क्रिकेट टीम में हो गया। वे जुलाई में श्रीलंका में होने वाले तीन एक दिवसीय व तीन टी-20 मैचों का हिस्सा होंगे। लेकिन इस परिवार का बड़ा दुख यह है कि बड़े भाई की मदद के लिये अपनी पढ़ाई कुर्बान करके नौकरी करने वाला छोटा भाई इस दुनिया में नहीं है। चेतन के भारतीय क्रिकेट टीम में खेलने का सपना देखने वाले पिता भी इनके बीच नहीं हैं। पिता ने बेटे के सुनहरे भविष्य के लिये टैंपो चलाया। जब वे शरीर से अक्षम हो गये तब भी टैंपो इस मजबूरी में चलाया कि बेटा देश के लिये खेलने लायक बने। पिछले महीने कोरोना के कहर ने उन्हें लील लिया। हां, उसकी इस खुशी में शामिल होने के लिये उसकी वह त्यागमयी मां वर्षा बेन है, जिसने परिवार को चलाने के लिये ईंट-भट्ठे पर मजदूरी की। उसके हर विकेट लेने पर झूमने वाले मामा मनसुख भाई हैं जो गुरबत के चलते उसे अपने पास भावनगर ले आये थे। जिन्होंने कोरोना संकट में उसके अभ्यास के लिये खेत में पिच बनवायी व जिम बनाया, जिसके चलते पसीना बहाने पर उसका आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिये चयन हुआ और फिर उसने भारतीय टीम में जगह बना ली। आज देश में चेतन सकारिया जैसी न जाने कितनी ही प्रतिभाएं दूर-दूराज के इलाकों में खिलने से पहले ही मुरझा जाती हैं। हम उन तक पहुंच ही नहीं पाते। कुछ लोग होते हैं जिन्हें विरासत में खेल, पैसा और संपर्क मिलते हैं, मौलिक प्रतिभा न होते हुए भी वे जगह बनाने में कामयाब हो जाते हैं। बहुत कम लोग चेतन जैसे मजबूत हौसले और हाड़तोड़ मेहनत करने वाले होते हैं, जो संकल्प के साथ लक्ष्य हासिल करने में कामयाब हो जाते हैं। वो तो भला हो उसके विद्या विहार सेकंडरी स्कूल का जो लगातार क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर आयोजित करता तथा कई टूर्नामेंट कराता। शुरुआत में वे सलामी बल्लेबाज थे और खूब रन बनाते थे। बाद में शिक्षकों को लगा कि वह गेंद को बेहतरीन स्विंग करा सकता है। फिर चेतन ने तेज गेंदबाजी के लिये प्रशिक्षण लिया। गुजरात के भावनगर के वारतेज गांव के चेतन भले ही आज अपने राज्य के हीरो हैं, लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने का उनका संघर्ष बहुत बड़ा है। उन्हें कभी भारतीय क्रिकेट की ए टीम में जगह नहीं मिली। उन्होंने सौराष्ट्र की टीम से रणजी और कूचबिहार ट्राफी में अपने दमखम का प्रदर्शन किया। सौराष्ट्र की टीम की ओर से एक बार उन्हें तब खेलने का मौका मिला जब टीम का तेज गेंदबाज चोटिल था। उन्होंने मौके को अवसर में बदलने में देर नहीं की। चेतन पढ़ाई में अव्वल था दसवीं में उसने सत्तासी फीसदी अंक के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की। लेकिन फिर उसे विज्ञान विषय लेने को कहा गया। परिवार की इच्छा के लिये उसने ऐसा किया भी। परिवार घर की गुरबत देखकर चाहता था कि वह सरकारी नौकरी कर ले। परिवार सोचता था कि यदि वह क्रिकेट में करिअर न बना पाया तो परिवार का खर्च कैसे चलेगा। टैंपो चलाने वाले पिता को दुर्घटनावश शारीरिक अपूर्णता होने के बावजूद टैंपो चलाना पड़ा। छोटे भाई ने महसूस किया कि भाई में क्रिकेट की बड़ी संभावना है सो उसने पढ़ाई बीच में छोड़ दी और परिवार को संबल देने के लिये नौकरी कर ली। बाद में न जाने कैसे हालात बने कि उसे आत्महत्या करने

जैसा दुस्साहस करना पड़ा। सफलता के इस मुकाम पर पहुंचकर परिवार को छोटे बेटे के न होने का दुख सालता है। चेतन का संघर्ष कितना बड़ा था कि जब सौराष्ट्र किक्रेट एसोसिएशन ने तेज गेंदबाजी का हुनर सीखने के लिये उसे एमआरएफ पेस फाउंडेशन एकेडमी भेजा तो उसके पास तेज गेंदबाजों द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले स्पाइक शू नहीं थे। फिर एक आईपीएल के क्रिकेटर ने प्रस्ताव रखा कि यदि वह उन्हें आउट कर देगा तो वह उसे स्पाइक शू देगा। चेतन ने उसे आउट किया और स्पाइक शू हासिल किये। यहां तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा द्वारा दिया प्रशिक्षण काम आया और वह एक सौ तीस किमी प्रति घंटा की गति से गेंद डालने लगे। चेतन की किस्मत का सितारा तब चमका जब इस साल की शुरुआत में इंडियन प्रीमियर लीग के लिये उसका चयन हुआ। राजस्थान रॉयल्स ने उसे एक करोड़ बीस लाख में टीम के लिये चुना। जबकि आईपीएल के लिये उसका बेस प्राइस महज बीस लाख निर्धारित किया गया। हालांकि, भारतीय टीम में चयन के बाद वह कोरोना संकट के चलते स्थगित आईपीएल के बाकी बाकी मैच नहीं खेल पायेगा। लेकिन भारतीय टीम में शामिल होने का उसका सपना तो पूरा हो ही गया है। क्रिकेट के जुनून के चलते स्कूल से भागकर क्रिकेट खेलने और फिर पिटाई खाने वाला चेतन अब निखर गया है।

उसने नया मुहावरा गढ़ा है कि ‘खेलोगे-कूदोगे तो बनोगे नबाब।’ गुरबत में क्रिकेट की शुरुआत करने वाले चेतन के अब नवाबी के दिन आने वाले हैं। हर क्रिकेटर का सपना होता है कि वह भारतीय टीम में खेले। एक गरीब परिवार से निकले चेतन के लिये यह मुकाम हासिल करना वाकई आसमान से तारे तोड़ लाने जैसा ही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिलायंस इंडस्ट्रीज के बोर्ड में शामिल होगा सऊदी अरामको का प्रतिनिधि

नयी दिल्ली, सऊदी अरामको के चेयरमैन और वहां के संपदा निवेश-कोष पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड के गवर्नर यासिर-अल-रुमायन को संभवतः रिलायंस इंडस्ट्रीज के निदेशक मंडल में शामिल किया जा सकता है। खबरों में कहा गया है कि यह 15 अरब डॉलर के सौदे की यह एक पूर्व शर्त है। अल-रुमायन को रिलायंस इंडस्ट्रीज या समूह की नयी बनाई गई तेल से रसायन (ओ2सी) इकाई के निदेशक मंडल में शामिल किया जा सकता है। इसकी घोषणा संभवत~ 24 जून को होने वाली आरआईएल के शेयरधारकों की वार्षिक बैठक में की जा सकती है। ब्रोकरेज एचएसबीसी ग्लोबल रिसर्च की एक रिपोर्ट में कहा गया है, ''रिलायंस की वार्षिक आम बैठक ऐतिहासिक रूप से लोगों का ध्यान आकर्षित करती रही है। पूर्व में इस बैठक में जब बैठक आमने सामने की होती थी तो इसमें 3,000 तक शेयरधारक शामिल हुए हैं। वहीं महामारी के दौरान पिछले वर्ष आभासी तरीके से हुई बैठक में दुनिया के 42 देशों के 468 शहरों के तीन लाख लोग इसमें शामिल हुए थे।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि रिलायंस की वार्षिक आमसभा (एजीएम) को लेकर पहले ही काफी चर्चा शुरू हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एक साल के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल और खुदरा कारोबार करने वाली अनुषंगी कंपनियों में कई नए निवेशक जुड़े हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने गूगल, फेसबुक, माइक्रोसॉफ्ट तथा क्वालकॉम जैसी कई वैश्विक कंपनियों साथ नई भागीदारी की है। ये निवेशक उम्मीद कर रहे हैं कि एजीएम में अनुषंगी कंपनियों के कारोबार के लिए नई दिशाओं की घोषणा हो सकती है। इसके अलावा ऐसी भी चर्चा है कि रिलायंस गूगल के साथ नए स्मार्टफोन के लिए भागीदारी तथा इसकी कीमत की घोषणा कर सकती है।

कश्मीर घाटी के सभी 15 रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिक वाई-फाई उपलब्ध

नई दिल्ली। कश्मीर घाटी के सभी 15 रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिक वाई-फाई कनेक्टिविटी उपलब्ध करा दी गई है। कश्मीर घाटी के ये 15 स्टेशन बारामुला, हमरे, पट्टन, मझोम, बडगाम, श्रीनगर, पंपोर, काकापोरा, अवंतीपुरा, पंजगाम, बिजबेहरा, अनंतनाग, सदुरा, काजीगुंड और बनिहाल हैं, जो श्रीनगर, बडगांव, बनिहाल और काजीगुंड चार जिलों में फैले हुए हैं। इन स्टेशनों को अब भारतीय रेलवे के 6,021 स्टेशनों के वाई-फाई नेटवर्क से जोड़ दिया गया है। जम्मू क्षेत्र के कठुआ, बूढ़ी, छन अरोरियन, हीरा नगर, घगवाल, सांबा, विजयपुर, बारी ब्राह्मण, जम्मू तवी, बजल्टा, संगर, मनवाल और राम नगर स्टेशनों पर पहले से ही वाई-फाई उपलब्ध है। केंद्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, आज विश्व वाई-फाई दिवस पर मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि श्रीनगर और कश्मीर घाटी के 14 स्टेशन दुनिया के सबसे बड़े एकीकृत सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क का हिस्सा बन गई है जो देश भर में 6000 से अधिक स्टेशनों को जोड़ती है। उन्होंने आगे कहा, घाटी के सभी स्टेशनों में अब सार्वजनिक वाई-फाई उपलब्ध है। यह डिजिटल इंडिया मिशन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और जो अब तक असंबद्ध रहे हैं, उन्हें जोड़ने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। मैं भारतीय रेलवे और रेलटेल की टीम की सराहना करता हूं, जिन्होंने इस उल्लेखनीय उपलब्धि को हासिल करने के लिए अथक प्रयास किया है। इसके लिए मैं भारतीय रेलवे की सराहना करता हूं।

एफपीआई ने जून में अबतक भारतीय बाजारों में 13,667 करोड़ रुपए डाले

बिजनेस डेस्क:

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून में अबतक भारतीय बाजारों में शुद्ध रूप से 13,667 करोड़ रुपए डाले हैं। भारतीय बाजार विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बने हुए हैं। हालांकि, इस सप्ताह एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों से निकासी की। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने एक से 18 जून के दौरान शेयरों में 15,312 करोड़ रुपए डाले। इस दौरान उन्होंने ऋण या बांड बाजार से 1,645 करोड़ रुपए की निकासी की। इस तरह उनका शुद्ध निवेश 13,667 करोड़ रुपए रहा। इससे पहले एफपीआई ने मई में 2,666 करोड़ रुपए और अप्रैल में 9,435 करोड़ रुपए की निकासी की थी।ग्रो के सह-संस्थापक हर्ष जैन ने कहा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने संकेत दिया है कि वह 2023 से ब्याज दरों में बढ़ोतरी शुरू करेगा। इससे वैश्विक स्तर पर बिकवाली का सिलसिला चला। इसी वजह से भारतीय शेयरों से भी कुछ निकासी देखने को मिली। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, रुपए में गिरावट की वजह से आईटी शेयरों में बढ़ी हुई लिवाली देखने को मिल रही है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा,

''अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में पूर्व में लगाए गए अनुमान से कहीं जल्दी बढ़ोतरी का संकेत दिया है। इससे भारतीय बांड बाजार का प्रवाह बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

गूगल पे ने टोकनाइजेशन सुविधा बढ़ाई

मुंबई। गूगल पे ने अपने प्लेटफॉर्म पर टोकनाइजेशन सुविधा का विस्तार कर दिया है। गूगल पे ने कहा है कि इसके लिए वह अपने बैंक भागीदारों के नैटवर्क का विस्तार कर रही है। इसके तहत वह भारतीय स्टेट बैंक (एस.बी.आई.), इंडसइंड बैंक, फैडरल बैंक और एच.एस.बी.सी. इंडिया सहित कई बैंकों के साथ सहयोग कर रही है। इसका अर्थ है कि अब इन बैंकों के कार्ड भी गूगल पे की टोकनाइजेशन सुविधा में ऐड किए जा सकेंगे। कम्पनी ने कहा कि कोटक म हिंद्रा बैंक, एस.बी.आई. काड्र्स और एक्सिस बैंक के साथ कार्ड को टोकन के तौर पर इस्तेमाल करने की सेवा शुरू करने के बाद गूगल पे ने अब एस.बी.आई., इंडसइंड बैंक एवं फैडरल बैंक के डैबिट कार्ड और इंडसइंड बैंक व एच.एस.बी.सी. इंडिया के क्रैडिट कार्ड को अपनी सेवा सूची में शामिल कर लिया है। टोकनाइजेशन की मदद से गूगल पे एंड्रायड यूजर्स को पेमैंट के लिए अपने डैबिट या क्रैडिट कार्ड की डिटेल्स को फिजिकली शेयर नहीं करना होगा। कार्ड से जुड़े मोबाइल नंबर पर अटैच्ड सुरक्षित डिजिटल टोकन के जरिए पेमैंट किया जा सकता है। यह फीचर नीयरफील्ड कम्यूनिकेशंस-इनेबल्ड पी.ओ.एस. टर्मिनल्स और ऑनलाइन मर्चेंट्स पर 'टैप टू पे' फीचर के इस्तेमाल की सुविधा भी देता है। गूगल पे ने टोकनाइजेशन फीचर को पिछले साल सितंबर में लॉन्च किया था।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र एमएसएमई को दिए जाने वाले ऋण में वृद्धि के लिहाज से शीर्ष सरकारी बैंक बना

नई दिल्ली: बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) खुदरा और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को दिए जाने वाले ऋण में वृद्धि के लिहाज से वित्तीय वर्ष 2020-21 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सबसे ऊपर रहा। पुणे के इस बैंक ने 2020-21 में एमएसएमई ऋण में 35 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्शाई। बैंक ने क्षेत्र की इकाइयों के लिए इस अवधि में 23,133 करोड़ रुपए के ऋण प्रदान किए। चेन्नई का इंडियन बैंक दूसरे स्थान पर रहा। उसने 15.22 प्रतिशत की वृद्धि के साथ एमएमएमई क्षेत्र को कुल 70,180 करोड़ रुपए का कर्ज दिया। खुदरा क्षेत्र के कर्ज के मामले में बीओएम ने करीब 25.61 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जो देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से भी ज्यादा रही। एसबीआई ने इस खंड में 16.47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। खुदरा क्षेत्र को दिए जाने वाले कुल ऋण में एसबीआई ने राशि के हिसाब से बीओएम से 30 गुना ज्यादा ऋण प्रदान किया। बीओएम ने इस खंड में कुल 28,651 करोड़ रुपए का ऋण दिया जबकि एसबीआई ने 8.70 लाख करोड़ का ऋण प्रदान किया। आंकड़े के मुताबिक पिछले वित्तीय वर्ष में बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा खुदरा क्षेत्र को दिए जाने वाले ऋण में 14.35 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और उसने कुल 1.20 लाख करोड़ का ऋण प्रदान किया।

भारत में मौजूदा बुल मार्केट 106 फीसदी चढ़ा, ऐतिहासिक औसत 284 प्रतिशत

नई दिल्ली।

भारत में पिछले तीन दशकों से मौजूदा बुल मार्केट रैली को मिलाकर छह बार बुल मार्किट रैली देखने को मिली है। मॉर्गन स्टेनली ने एक बुल मार्किट को परिभाषित किया है जहां सूचकांक (बीएसई सेंसेक्स) अपने गर्त से दोगुना हो जाता है। मॉर्गन स्टेनली ने एक रिपोर्ट में कहा कि, अगर हम साल 2003-08 के बुल मार्केट को छोड़ दें, तो अन्य चार बुल मार्केट की औसत अवधि 72 सप्ताह रही है जबकि मौजूदा दौर 64 सप्ताह का है। हमारे संभावित नए लाभ चक्र के दृष्टिकोण को देखते हुए, साल 2003-08 बुल मार्केट अवधि में चल रहे बुल मार्केट के लिए मौजूदा दौर टेम्प्लेट हो सकता है। बुल मार्केट में रिटर्न का फैलाव होता है जिससे औसत रिटर्न कम सार्थक हो जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है, यह 106 प्रतिशत ऊपर है जबकि ऐतिहासिक औसत 284 प्रतिशत है। फिलहाल हमें 12 महीनों और आगे का इँतजार है, जिससे लाभ की गति धीमी हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1.6 फीसदी का औसत साप्ताहिक रिटर्न अभी भी अन्य बुल मार्केट की तुलना में कम है। मौजूदा बुल मार्केट में इक्विटी रिटर्न की स्पष्ट रूप से तेज गति कुछ भी अनोखी नहीं है। इसमें कहा गया है कि 3 फीसदी के इस साप्ताहिक रिटर्न की अस्थिरता इतिहास से अलग नहीं है। पिछले पांच बुल बाजारों में से प्रत्येक में भारत के बेहतर प्रदर्शन के साथ इस बुल बाजार के लिए औसत आउटपरफॉर्मेंस 52 प्रतिशत बनाम 23 प्रतिशत है। मॉर्गन स्टेनली ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि भारत आने वाले महीनों में ईएम से बेहतर प्रदर्शन करता रहेगा। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता स्टेपल अंडरपरफॉर्म कर रहे हैं, जैसा कि आमतौर पर होता है, जबकि मैटेरियल्स, इंडस्ट्रियल्स और कंज्यूमर डिस्क्रीशनरी (सभी साइक्लिकल) शीर्ष 3 प्रदर्शन करने वाले सेक्टर हैं। मॉर्गन स्टेनली ने कहा, हम अभी भी इक्विटी जारी करने के चक्र के शुरूआती चरण में हैं और इस बुल मार्केट के समाप्त होने से पहले वे औसत मार्केट कैप के 3 से 5 गुना के बीच कहीं भी बढ़ सकते हैं। लोकप्रिय धारणा के विपरीत, हमें लगता है कि इस बुल मार्केट में ट्रेडिंग गतिविधि ऊंचा नहीं है।

अर्थव्यवस्था के प्रोत्साहन के लिए और उपाय कर सकती है सरकार: सुब्रमण्यम

बिजनेस डेस्क:

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) के वी सुब्रमण्यम ने कहा है कि सरकार कोरोना वायरस की दूसरी लहर से प्रभावित अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन के लिए और उपाय कर सकती है। हालांकि, इसके साथ ही सुब्रमण्यम ने कहा कि नए प्रोत्साहन पैकेज की मांग पर विचार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बजट 2021-22 में किए गए विभिन्न उपायों के परिप्रेक्ष्य में किया जाएगा। कुछ उद्योग संगठनों ने सुझाव दिया है कि अप्रैल-मई में महामारी की दूसरी लहर से प्रभावित अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए सरकार को तीन लाख करोड़ रुपए का प्रोत्साहन पैकेज देना चाहिए। सुब्रमण्यम की यह प्रतिक्रिया इन्हीं सुझावों पर आई है। रिजर्व बैंक के एक आकलन के अनुसार महामारी की दूसरी लहर से देश को करीब दो लाख करोड़ रुपए के उत्पादन का नुकसान हुआ है। सुब्रमण्यम ने कहा, ''पिछले साल भी हम और उपायों के लिए तैयार थे लेकिन मुझे लगता है कि जब हम प्रोत्साहन पैकेज की बात कर रहे हैं, तो पिछले साल और इस साल में काफी अंतर है। उन्होंने चीजों को स्पष्ट करते हुए कहा कि पिछला बजट महामारी से पहले पेश हुआ था लेकिन इस बार का बजट महामारी के बीच पेश किया गया है। इसमें काफी चीजों को पहले की शामिल कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से बुनियादी ढांचा खर्च पर ध्यान दिया जा रहा है। इससे निर्माण गतिविधियां बढ़ती हैं और अंतत~ असंगठित क्षेत्र में रोजगार का सृजन होता है। पिछले वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में ऐसा देखने को मिला। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से उल्लेखनीय पूंजीगत खर्च से चौथी तिमाही में निर्माण क्षेत्र में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई और जीडीपी के सापेक्ष सकल स्थायी पूंजी सृजन 34 प्रतिशत बढ़ा है, जो पिछले छह साल में सबसे अधिक है। सुब्रमण्यम ने कहा कि अंतिम उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अर्थव्यवस्था का पुनरुद्धार रफ्तार पकड़ सके। उन्होंने कहा कि इसे सुनिश्चित करने के लिए सरकार को जो करने की जरूरत होगी, वह करेगी। गरीबों के लिए खाद्य सुरक्षा पर सीईए ने कहा कि सरकार ने पहले ही 80 करोड़ आबादी के लिए मुख्य खाद्य कार्यक्रम का नवंबर तक विस्तार कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के विस्तार की लागत 70,000 करोड़ रुपए बैठेगी। सुब्रमण्यम ने कहा कि मुफ्त टीका एक और महत्वपूर्ण आर्थिक उपाय है।

विप्रो ने इस साल दूसरी बार कर्मचा रियों का वेतन बढ़ाया

नई दिल्ली। प्रमुख आईटी सेवा कंपनी विप्रो ने अपने कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि की घोषणा की। यह इस साल में दूसरी बार है जब उसने कर्मचा रियों की सेलरी बढ़ाई। इससे कंपनी के करीब 80 फीसदी कर्मचारी लाभान्वित होंगे। यह वेतन वृद्धि 1 सितंबर 2021 से प्रभावी होगी। कंपनी ने कहा कि विप्रो बैंड बी3 तक सभी पात्र कर्मचारियों के लिए योग्यता के आधार पर वेतन वृद्धि (एमएसआई) की प्रक्रिया शुरू करेगी जो 1 सितंबर से प्रभावी होगी। जनवरी 2021 में कंपनी ने इस श्रेणी के अपने कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि की घोषणा की थी। कंपनी के कुल कार्यबल में इस श्रेणी के कर्मचारियों की हिस्सेदारी करीब 80 फीसदी है। विप्रो ने कहा कि सी1 बैंड के सभी पात्र कर्मचारियों को 1 जून से प्रभावी वेतन वृद्धि मिलेगी। कंपनी ने कहा कि औसतन यह वेतन वृद्धि ऑफ शोर कर्मचारियों के लिए ऊचे एकल अंक में होगी जबकि ऑनसाइट कर्मचारियों के लिए यह मध्य एकल अंक में होगी। कंपनी शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को अधिक वृद्धि का तोहफा देगी। विप्रो ने कहा कि हम सही कौशल वाले लोगों को कौशल आधारित बोनस भी दे रहे हैं और यह पहले से ही चल रहा है।

कोरोना वायरस की वजह से मुंबई में नहीं बढ़ेगा प्रॉपर्टी टैक्स

मुंबई:

मुंबई महानगर पालिका की मेयर किशोरी पेडणेकर ने कहा है कि जब तक कोरोना वायरस की स्थिति में सुधार नहीं हो जाता है, तब तक मुंबई में प्रॉपर्टी टैक्स में कोई इजाफा नहीं किया जाएगा। मेयर ने कहा कि मुंबईकरों पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जाएगा। कोरोना वायरस की स्थिति जारी रहने तक इसमें कोई इजाफा नहीं किया जाएगा। हमें नहीं मालूम कि ऐसी स्थिति कब तक रहेगी। इससे पहले उम्मीद जताई जा रही थी कि मुंबई में इस साल मुंबईकरों को अधिक प्रॉपर्टी टैक्स चुकाना पड़ सकता है। पेडणेकर ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रॉपर्टी टैक्स बढ़ाने का सिर्फ प्रस्ताव आया है, उसे मंजूरी नहीं मिली है। दरअसल, प्रॉपर्टी टैक्स बढ़ाने के प्रस्ताव पर विपक्षी दलों बीजेपी, कांग्रेस, एनसीपी, सपा और आम आदमी पार्टी ने शिवसेना पर जोरदार हमला बोला। लिहाजा शिवसेना बैकफुट पर आ गई। बीजेपी और कांग्रेस तो इसे अभी से चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश करने लगी।

हर पांच साल के बाद प्रॉपर्टी टैक्स में बदलाव होता है

बता दें कि BMC के कानून के हिसाब से मुंबई में हर पांच साल के बाद प्रॉपर्टी टैक्स में बदलाव होता है। 2015 में इसमें सुधार किया गया था। इसके बाद साल 2020 में ही इसमें सुधार होना था लेकिन कोगजगकरोना संकट के चलते राज्य सरकार ने इस बढ़ोतरी को टाल दिया था। मार्च 2020 में अपने पहले बजट भाषण में महाराष्ट्र विकास अघाड़ी सरकार ने कुछ टैक्सों में रियायत देने का ऐलान किया था।

सेबी ने अधिग्रहण संबंधी समिति का पुनर्गठन किया

नयी दिल्ली,

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने अपनी अधिग्रहण संबंधी समिति का पुनर्गठन किया है।यह समति अधिग्रहण के मामलों को देखती है तथा सार्वजनिक शेयरधारकों से अतिरिक्त शेयर खरीद के खुली पेशकश से छूट देने के अधिग्रहणकर्ता के प्रस्ताव पर सिफारिश करती है। सेबी द्वारा दी गयी सूचना के मुताबिक उसने डेलॉयट इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ एन वेंकटराम को इस समिति का नया सदस्य नियुक्त किया है। कर्नाटक और केरल उच्च न्यायालयों के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एन के सोढ़ी की अध्यक्षता वाली यह समिति इस तरह के आवेदनों को लेकर सेबी को सिफारिशें देती हैं जिसके बाद नियामक आदेश जारी करने से पहले संबंधित पक्षों को एक अवसर प्रदान करता है। सोढ़ी प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण के पूर्व अध्यक्ष भी हैं। समिति के दूसरे सदस्यों में डी खंबाटा (महाराष्ट्र के पूर्व महाधिवक्ता)

और टॉमस मैथ्यू टी (एलआईसी के पूर्व चैयरमैन) शामिल हैं। सेबी ने पहली बार नवंबर 2007 में चार सदस्यीय अधिग्रहण संबंधी समिति का गठन किया था। तब बैंक ऑफ बड़ौदा के पूर्व चैयरमैन के कन्नन को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

पेट्रोलियम सार्वजनिक उपक्रमों में 100प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने पर विचार कर रही है सरकार

बिजनेस डेस्क:

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने तेल एवं गैस क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों में स्वतः मंजूर मार्ग से 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने के प्रस्ताव पर अंतर-मंत्रालयी विचार-विमर्श के लिए कैबिनेट नोट का मसौदा जारी किया है। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि जिन सार्वजनिक उपक्रमों के विनिवेश के लिए सैद्धान्तिक मंजूरी मिल चुकी है, उनके लिए यह मसौदा जारी किया गया है। यदि इस कदम को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिली जाती है, तो इससे देश की दूसरी सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) के निजीकरण का रास्ता साफ हो जाएगा। सरकार बीपीसीएल का निजीकरण करने जा रही है। इसके तहत सरकार कंपनी में अपनी समूची 52.98 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी। सूत्रों ने बताया कि नोट के मसौदे के अनुसार, एफडीआई नीति में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस क्षेत्र के तहत एक नया प्रावधान जोड़ा जाएगा। प्रस्ताव के अनुसार, जिन पीएसूय के विनिवेश के लिए सरकार की ओर से सैद्धान्तिक मंजूरी दी जा चुकी है उनमें स्वत~ मंजूर मार्ग से 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति दी जाएगी। बीपीसीएल के निजीकरण के लिए खनन से तेल क्षेत्र में कार्यरत वेदांता ने सरकार की 52.98 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए रुचि पत्र (ईओआई) दिया है। अन्य दो बोलीदाता वैश्विक कोष हैं। इनमें से एक अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट है। अंतर-मंत्रालयी विचार-विमर्श के बाद वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय इस प्रस्ताव पर केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी लेगा। अभी पेट्रोलियम रिफाइनिंग क्षेत्र में स्वतः मंजूर मार्ग से 49 प्रतिशत एफडीआई की ही अनुमति है।

अप्रैल महीने में ईपीएफओ ने अपने साथ जोड़े 12.76 लाख अंशधारक

नेशनल डेस्क।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने मौजूदा वर्ष के अप्रैल में कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) में लगभग 12.76 लाख नये अंशधारक जोड़े हैं। केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय ने रविवार को यहां बताया कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बावजूद, अप्रैल 2021 अंशधारकों की संख्या में 13.73 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले महीने में लगभग 11.22 लाख अंशधारक जोड़े गए थे। आंकड़ों के अनुसार मार्च, 2021 की तुलना में अप्रैल, 2021 में ईपीएफ से बाहर निकलने वाले कर्मचारियों की संख्या में 87 हजार 821 की गिरावट आई है और फिर से जुड़ने वाले अंशधारकेम की संख्या में 92 हजार 864 की वृद्धि हुई है। अप्रैल महीने के दौरान जोड़े गए 12.76 लाख अंशधारक में से लगभग 6.89 लाख नए सदस्य पहली बार ईपीएफओ के सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आए हैं। आंकड़ों की राज्य-वार तुलना से पता चलता है कि महाराष्ट्र, हरियाणा, गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक राज्यों में पंजीकृत प्रतिष्ठान महीने के दौरान लगभग 7.58 लाख अंशधारक को जोड़कर सबसे आगे बने हुए हैं। कुल निवल अंशधारक की संख्या में महिला नामांकन का हिस्सा लगभग 22 प्रतिशत है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टीओसीओजी ने कहा, भारतीय खिलाड़ियों के सुरक्षित प्रवास और अभ्यास को सुनिश्चित कर रहे

नई दिल्ली । तोक्यो ओलंपिक के आयोजकों (टीओसीओजी) ने कहा कि वे खेल गांव में भारतीय खिलाड़ियों के सुरक्षित प्रवास और बिना किसी रूकावट के अभ्यास को सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं। आयोजकों ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को इस संबंध में पत्र लिखा है। इसके पहले जापानी सरकार ने तोक्यो ओलंपिक के लिए जाने वाले भारतीय खिलाड़ियों और अधिकारियों को रवानगी से एक हफ्ते पहले रोज कोविड-19 जांच कराने और पहुंचने के बाद तीन दिन तक अन्य देश के किसी भी व्यक्ति से मेलजोल नहीं करने को कहा है, जिस पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने नाराजगी जाहिर की थी। ये सख्त नियम उन 11 देशों के सभी यात्रियों, जिसमें खिलाड़ी, कोच और सहयोगी स्टाफ शामिल हैं, के लिये लगे हैं जहां कोविड-19 के अलग वैरिएंट मिले हैं। इन देशों में भारत भी शामिल हैं। आईओए ने इनकी काफी कड़ी आलोचना कर इन्हें अनुचित और भेदभावपूर्ण बताया। उसने खेलों की आयोजन समिति को पत्र लिखा है और यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है कि कोविड-19 को रोकने की व्यवस्था से खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर कोई ÷प्रतिकूल और हानिकारक प्रभाव' नहीं पड़े

भारतीय तैराकों ने बेलग्रेड में जीते 3 स्वर्ण, सभी ओलंपिक क्वालीफिकेशन से चूके

बेलग्रेड।

भारत के साजन प्रकाश ने रविवार को यहां बेलग्रेड ओपन तैराकी प्रतियोगिता में 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। हालांकि वह मामूली अंतर से ओलंपिक के क्वालीफाई करने से चूक गए। 27 साल के प्रकाश ने एक मिनट और 56.96 सेकेंड के समय के स्वर्ण जीता। लेकिन शनिवार शाम को वह एक मिनट और 56.48 सेकेंड का ओलंपिक क्वालीफाई का समय नहीं निकाल सके। युवा तैराक श्रीहरि नटराज ने भी पुरुषों के 100 मीटर बैकस्ट्रोक में 54.45 सेकेंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। हालांकि वह भी 53.85 सेकेंड के ओलंपिक क्वालीफिकेशन के समय को पूरा नहीं कर सके। शोआन गांगुली ने प्रतियोगिता में भारत के लिए तीसरा स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने पुरुषों के 400 मीटर मेडले स्वर्धा में चार मिनट और 37.70 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। मान पटेल ने महिलाओं की 50 मीटर बैकस्ट्रोक में 29.79 सेकेंड के साथ रजत, जबकि तनिश मैथ्यू ने पुरुषों के 200 मीटर बटरफ्लाई में कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय तैराकों, खासकर नटराज को अगले सप्ताह ए ओलंपिक क्वालीफिकेशन में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का अंतिम मौका मिलेगा।

भारत से ड्रॉ के बाद इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाईट बोलीं- महिलाओं का भी 5 दिन का हो टेस्ट मैच

ब्रिस्टल ।

इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह महिलाओं के खेल की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए शानदार था और कहा कि वह मौजूदा चार दिवसीय मुकाबले के बजाय पांच दिवसीय मैचों का समर्थन करेंगी। भारत ने फॉलोऑन मिलने के बाद मध्यक्रम के चरमराने के बावजूद शानदार वापसी करते हुए दूसरी पारी में आठ विकेट पर 344 रन बनाकर टेस्ट ड्रा कराया। इंग्लैंड की टीम जीतने के लिए शनिवार को चौथे और अंतिम दिन 9 विकेट हासिल नहीं कर सकी। नाइट ने मैच के बाद कहा कि क्रिकेट का शानदार मुकाबला रहा। यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि इसका अंत नाटकीय और रोमांचक नहीं रहा जैसा कि हो सकता था लेकिन कितना बढ़िया क्रिकेट का मुकाबला रहा। यह महिलाओं के क्रिकेट की ओर ध्यान आकर्षण के लिए काफी अच्छा रहा क्योंकि इससे दिखा कि महिलाओं के टेस्ट क्रिकेट का भी खेल में स्थान है। और शायद पांच दिवसीय मैच भी खेल सकते हैं। यह पूछने पर कि वह महिलाओं के पांच दिवसीय टेस्ट में खेलना चाहेंगी तो नाइट ने कहा कि मैं निश्चित रूप से ऐसा करना चाहूंगी। महिलाओं के क्रिकेट में काफी ड्रा हो चुके हैं, इसलिए निश्चित रूप से इस ओर देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमसे मैच जीतने का मौका छीन गया क्योंकि एक अतिरिक्त दिन नहीं था और हमारे पास मैच में समय नहीं था, इसलिए हां, मैं इसके पक्ष में हूं।

टेनिस : रूबलेव नोवेंटी ओपन के फाइनल में पहुंचे

हाले (जर्मनी)। विश्व के नंबर-2 खिलाड़ी रूस के डेनिल मेदवेदेव ने क्वालीफायर निकोलज बासिलेशविली को 6-1, 3-6, 6-3 से हराकर यहां जारी नोवेंटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया। रूबलेव पहली बार किसी एटीपी टूर ग्रासरूट के फाइनल में पहुंचे हैं। चौथी सीड रूबले ने एक घंटे और 51 मिनट तक चले मुकाबले में जीत अपने नाम करके फाइनल में जगह बनाई, जहां अब खिताब के लिए उसका सामना फ्रांस के यूगो हम्बर्ट से होगा। हम्बर्ट ने एक अन्य पुरुष एकल वर्ग के सेमीफाइनल में फेलिक्स एगर एलियासीम को 6-4, 3-6, 7-6(5) से मात दी। रूबलेव का हम्बर्ट के खिलाफ एटीपी 500 लेवल के फाइनल में 4-1 का रिकॉर्ड है। हम्बर्ट ने अब तक केवल एक बार 2020 में सेंट पीटसबर्ग ओपन में रूबलेव को हराया है।

शेफाली आने वाले समय में तीनों प्रारूपों में अहम भूमिका निभाएगी : मिताली

लंदन ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने युवा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह युवा खिलाड़ी आने वाले समय में खेल के तीनों प्रारूपों में अहम भूमिका निभाएगी। शेफाली ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ ड्रॉ एक एकमात्र टेस्ट की पहली पारी में तेजी से 96 रन बनाने के साथ ही दूसरी पारी में भी 63 रन बनाए थे। इस प्रकार वह डेब्यू टेस्ट की दोनों पारियों में अर्धशतक लगाने वाली सबसे युवा और कुल चौथी खिलाड़ी हैं। अपने इस प्रदर्शन के लिए शेफाली को अपने पहले ही टेस्ट में मैन ऑफ द मैच का इनाम भी मिला है। मैच ड्रॉ होन के बाद मिताली ने कहा, ''वह सभी प्रारूपों में भारतीय बल्लेबाजी इकाई के लिए काफी महत्वपूर्ण है। उसने काफी अच्छी तरह से इस प्रारूप से तालमेल बैठाया है।'' उन्होंने कहा, ''उसने टी20 प्रारूप की तरह ही पहली गेंद से ही आक्रामक बल्लेबाजी नहीं की। वह नई गेंद के खिलाफ समझदारी से खेली और टीम में उसका होना शानदार है।'' मिताली ने कहा, ''उसके पास विविध शॉट हैं और अगर वह लय में आती है तो इस तरह के प्रारूप में बेहद प्रभावी हो सकती है। अगर वह लय में आती है तो काफी तेजी से रन बना सकती है। इसी को देखते हुए उसके पदार्पण का अवसर दिया गया।'' उन्होंने कहा,

''जब हमें पता चला कि यह इस्तेमाल किया हुआ विकेट है और इस पर इतनी मूवमेंट नहीं होगी तो हमने सोचा कि उसे पदार्पण कराना सही रहेगा और वह उम्मीदों पर सही साबित हुई।'' मिताली ने शेफाली के दूसरी पारी में बनाए गए रनों को पहली पारी के रनों से बेहतर माना है। इंग्लैंड ने पहली पारी नौ विकेट पर 396 रन बनाने के बाद घोषित की थी जिसके जवाब में सात साल में पहला टेस्ट खेल रही भारतीय टीम पहली पारी में 231 रन पर आउठा हो गई थी। दूसरी पारी में भी शेफाली और दीप्ति शर्मा के अर्धशतकों के बाद राणा ने नाबाद 80 और विकेटकीपर तानिया भाटिया ने नाबाद 44 रन बनाकर मैच ड्रॉ करा दिया। पांच साल में भारत के लिए पहला मुकाबला खेल रही ऑफ स्पिनर स्नेह को पदार्पण का मौका मिलने पर मिताली ने कहा कि स्नेहा की बल्लेबाजी करने की क्षमता के कारण ही उसे अवसर मिला है।

संक्षिप्त समाचार

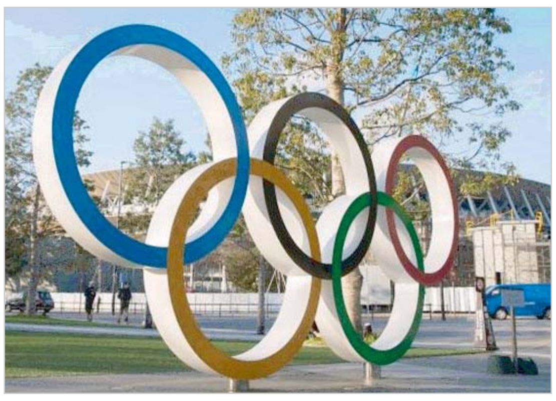

टोक्यो ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में 20,000 दर्शकों को मिल सकती है एंट्री

टोक्यो। टोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति अगले महीने 23 जुलाई से शुरू होने वाले टोक्यो ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में करीब 20,000 दर्शकों को नेशनल स्टेडियम में प्रवेश दे सकता है। इनमें दर्शकों के अलावा अधिकारी भी शामिल होंगे। ओलंपिक और पैरालंपिक में विभिन्न स्पर्धाओं के लिए प्रशंसकों को प्रवेश देने का फैसला सोमवार को लिया जाएगा। समाचार एजेंसी क्योडो की रिपोर्ट के अनुसार, कोविड-19 के बढ़ते जोखिम को लेकर चिंता के कारण बिना दर्शकों के ही ओलंपिक और पैरालिंपिक का आयोजन करने का दबाव बढ़ रहा है और ऐसी खबरें हैं कि दर्शकों पर किसी तरह की पाबंदी लगाई जाएगी। जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव कात्सुनोबु काटो ने कहा कि अगर देश में कोरोनावायरस की स्थिति बिगड़ती है तो सरकार सभी प्रशंसकों को प्रतिबंधित करने पर विचार करेगी। काटो ने कहा, अगर हम कोरोनोवायरस संक्रमणों के मामलों में वृद्धि देखते हैं, तो मूल नियम आवश्यक उपाय करना और अन्य आयोजनों की तरह ही ओलंपिक से निपटना है। आयोजन समिति ने विदेशी दर्शकों पर पहले से ही प्रतिबंध लगा रखा है।

मिल्खा जी ने मुझसे कहा था आप रूक नहीं सकते : गोलकीपर संधू

नई दिल्ली। भारतीय फुटबाल टीम के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने महान धावक मिल्खा सिंह के साथ अपनी पुरानी यादों को याद किया है। दिग्गज धावक मिल्खा सिंह का शुक्रवार को चंडीगढ़ के एक अस्पताल में निधन हो गया था। संधू ने कहा, जैसे ही मैं आज (शनिवार) सुबह मैंने उनके निधन की दुखद खबर सुना, तो मेरा ध्यान तुरंत उस महानायक से एक पुरस्कार प्राप्त करने की अविस्मरणीय यादों में वापस चला गया। उस समय उन्होंने मुझसे जो शब्द बोले वह आज भी मेरे पास है और वह मेरे लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत है। उन्होंने कहा, यह 2015 की बात है और मैं हिंदुस्तान टाइम्स अंडर 30 अवार्डस के विजेताओं में से एक था। समारोह चंडीगढ़ में हुआ और मिल्खा जी ने ही मुझे पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने मुझसे कहा, कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। मुझे प्रशिक्षण के बाद कई बार खून की उल्टी भी हो जाती थी लेकिन तुम्हें रुकना नहीं है! (आप रुक नहीं सकते!)। गोलकीपर ने आगे कहा, उस समय, मैं नॉर्वे में स्टैबेक के साथ अपना क्लब फुटबॉल खेल रहा था, जहाँ हर दिन खुद को साबित करने और शुरूआती लाइन-अप में जगह बनाने के लिए कड़ा मुकाबला होता था। यह एक बड़ी चुनौती थी और विदेश में रहना। हालांकि, मैं खुद द फ्लाइंग सिख द्वारा बोले गए इन शब्दों पर वापस आ जाता था, वे एक महान प्रेरक थे और मुझे हर दिन अपना सब कुछ देने के लिए प्रेरित करते थे।

बेंगलुरू एफसी ने छेत्री के साथ 2 साल का नया करार किया

बेंगलुरू।

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब बेंगलुरू एफसी ने भारतीय फुटबाल टीम के कप्तान सुनील छेत्री के साथ दो साल का नया करार किया है और इस करार के बाद छेत्री अब 2023 तक बेंगलुरू एफसी के साथ बने रहेंगे। क्लब ने रविवार को इसकी जानकारी दी। बेंगलुरू एफसी ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि क्लब ने भारत के लिए सबसे ज्यादा इंटरनेशनल गोल करने वाले छेत्री के साथ दो साल का नया करार किया है। छेत्री 2013 में बेंगलुरू एफसी से जुड़े थे। भारतीय कप्तान ने बेंगलुरू एफसी के लिए अब तक 203 मैचों में 101 गोल दागे हैं। 36 साल के छेत्री ने करार पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा, मैं बेंगलुरू एफसी में दो और वर्षों के लिए करार करने पर वास्तव में खुश हूं। बेंगलुरू अब मेरा घर है, और इस क्लब के लोग मेरे लिए परिवार की तरह हैं। ऐसा लगता है जैसे मैंने कल ही पहली बार यहां करार किया था। मैं इस क्लब, समर्थकों और शहर से प्यार करता हूं, इन तीनों के साथ मेरा एक मजबूत रिश्ता है। मैं उनके साथ कई और बेहतरीन पलों का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हूं। छह बार के एआईएफएफ प्लेयर आफ द ईयर रह चुके छेत्री ने 2013 में क्लब के साथ अपना पहला लीग खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने क्लब के साथ पांच और ट्राफी जीती हैं, जिसमें फेडरेशन कप (2015, 2017), इंडियन सुपर लीग (2018-19) और सुपर कप (2018) शामिल है। छेत्री ने हाल में अपना 76वां इंटरनेशनल गोल किया था। उनका यह गोल दोहा में एएफसी एशियन कप संयुक्त क्वालीफायर में बांग्लादेश के खिलाफ आया था।

मैंने शतक बनाने पर ध्यान केंद्रित नहीं किया : स्नेह

ब्रिस्टल।

भारतीय महिला टीम की खिलाड़ी स्नेह राणा ने कहा है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के अंतिम दिन दूसरी पारी में शतक बनाने पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रही थीं। स्नेह ने इस मुकाबले से टेस्ट में डेब्यू किया था। भारत इस मैच में हार की कगार पर पहुंच गया था, लेकिन स्नेह ने शिखा पांडे और तानिया भाटिया के साथ मिलकर साझेदारियां की और मुकाबले को ड्रॉ कराने में कामयाब रहीं। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, स्नेह ने कहा, हमने ऐसा प्रतीत नहीं होने दिया कि हम नर्वस हैं। उस वक्त ऐसी स्थिति थी कि हमें अपने बेसिक्स पर अडिग रहना था। मैंने और शिखा ने यह निर्णय लिया कि चाहे कुछ भी हो जाए, भले ही इंग्लिश खिलाड़ी स्लेजिंग करने की कोशिश करें, लेकिन हमें उनपर ध्यान नहीं देना है। हमारा ध्यान अपने बेसिक्स पर था जिसका हमें नतीजा मिला। स्नेह बेहतरीन पारी खेल रही थीं और टेस्ट डेब्यू में अपने शतक से महज 26 रन दूर थीं। हालांकि उन्होंने कहा कि उनका ध्यान शतक पूरा करने पर केंद्रित नहीं था। स्नेह ने कहा, उस समय मेरा ध्यान शतक लगाने पर केंद्रित नहीं था, क्योंकि उस वक्त मेरी टीम को जरूरत थी कि मैं वहां रहूं, इसलिए मैंने शतक के बारे में नहीं सोचा। मैं बस टीम को संकट से उबारने में अपना योगदान देना चाहती थी।

टेनिस : क्वींस ओपन के फाइनल में नोरी से भिड़ेंगे बेरेटिनी

टेनिस ।

क्वींस ओपन के फाइनल में नोरी से भिड़ेंगे बेरेटिनीलंदन, 20 जून (आईएएनएस)। टॉप सीड इटली के माटिओ बेरेटिनी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां जारी क्वींस क्लब चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। फाइनल में बेरेटिनी का सामना ब्रिटेन के कैमरन नोरी से होगा। विश्व रैंकिंग में नौवें नंबर के खिलाड़ी बेरेटिनी ने शनिवार रात पुरुष एकल के सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनेउर को 6-4, 6-4 से हराकर पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में बेरेटिनी का सामना ब्रिटेन के कैमरन नोरी से होगा, जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में कनाडा के डेनिस शापोवालोव को 7-5, 6-3 से हराया।

सिंधू तोक्यो में दबाव में रहेंगी, पदक जीतना आसान नहीं होगा: ज्वाला

नयी दिल्ली,

बैडमिंटन की पूर्व युगल खिलाड़ी ज्वाला गुट्टा का मानना है कि रियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता पीवी सिंधू के लिए मैच अभ्यास की कमी के कारण तोक्यो ओलंपिक में उस सफलता को दोहराना मुश्किल होगा। पांच साल पहले ओलंपिक में जब सब की नजरें लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल पर थी तब सिंधू ने रजत पदक जीत कर सबको चौका दिया था। साइना इस बार ओलंपिक टिकट हासिल करने में नाकाम रही ऐसे में 23 जुलाई से शुरू होने वाले खेलों में सिंधू से देश को पदक की उम्मीदें है। ज्वाला ने 'बैकस्टेज ऐप' पर 'भारतीय बैडमिंटन की संभावना' पर चर्चा के दौरान कहा, ''मुझे उम्मीद है कि वह पदक जीतेगी। सिंधू पर इस बार जाहिर तौर पर पिछले बार से ज्यादा दबाव होगा।'' उन्होंने कहा, '' रियो में सिंधू के लिए हालात बिल्कुल अलग थे, अब हालात पूरी तरह से बदल चुके हैं। इस बार उन पर ज्यादा ध्यान है और यह सिंधू पर ही निर्भर करता है कि वह इस दबाव को कैसे लेती हैं।'' उन्होंने कहा, '' मुझे उम्मीद है कि वह इसे सकारात्मक रूप से लेंगी। रियो भी आसान नहीं था लेकिन तोक्यो निश्चित रूप से आसान नहीं होगा। हर कोई उसका खेल जानता है, सबने उसे देखा है।'' ज्वाला ने कहा कि चिंता की बात यह भी है कि कोविड-19 के कारण खिलाड़ियों को बहुत सारे टूर्नामेंटों में खेलने का मौका नहीं मिला। उन्होंने कहा, '' कोरोना वायरस की दूसरी लहर से पहले भी भारतीयों के लिए स्थिति अनुकूल नहीं थी, जबकि यूरोप में कुछ टूर्नामेंट हुए। भारतीय प्रणाली के साथ समस्या यह है कि सिंधू अपनी तरह की इकलौती खिलाड़ी है।'' उन्होंने कहा, '' वह जब किसी खिलाड़ी के साथ अभ्यास करती है तो हमारे यहां उनके स्तर का कोई खिलाड़ी नहीं है। जबकि चीन और कोरियाई टीम में 20-30 खिलाड़ी है। उन्होंने कहा, ''कोविड-19 के कारण भारत से यात्रा को कालीसूची में डाल दिया गया था इसलिए भारतीय खिलाड़ियों को मैच अभ्यास भी नहीं मिला।'' सिंधू के अलावा, विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता बी साई प्रणीत और दुनिया की 10 वें नंबर की पुरुष युगल जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने भी ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने कहा, '' मुझे हमेशा साईं का खेल पसंद रहा है और मैं हमेशा उन पर विश्वास करती हूं। समस्या यह है कि उसने कभी खुद पर भरोसा नहीं किया। अब विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक के बाद उन्हें खुद पर विश्वास होने लगा है। उनके प्रदर्शन में निरंतरता नहीं है लेकिन मुझे उम्मीद है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेगा।''

भारत के खिलाफ मैच ने साबित किया, महिला टेस्ट क्रिकेट का खेल में स्थान है : नाइट

ब्रिस्टल। भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के ड्रॉ रहने के बाद इंग्लैंड महिला टीम की कप्तान हीथर नाइट ने कहा कि यह मुकाबला साबित करता है कि महिला टेस्ट क्रिकेट का खेल में एक स्थान है। इंग्लैंड इस मैच में जीत के करीब था, लेकिन स्नेह राणा और तानिया भाटिया ने नौवें विकेट के लिए 104 रनों की साझेदारी की, जिससे भारतीय टीम इस मुकाबले को ड्रॉ कराने में सफल रही। नाइट ने क्रिकइंफो से कहा, यह अच्छा था और इससे साबित हुआ कि महिला टेस्ट क्रिकेट का भी खेल में एक स्थान है। यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि इसका नाटकीय और रोमांचक अंत नहीं हो पाया। उन्होंने कहा, यह अच्छा और काफी उत्साहित था। हमने काफी अच्छी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दोनों तरफ के कुछ युवा खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल खेला। हालांकि नाइट ने कहा कि बारिश के कारण खेल बाधित होने की वजह से महिला टेस्ट क्रिकेट को भी चार दिन के बजाय पांच दिन का करना चाहिए था। नाइट ने कहा, मैं पांच दिनों के टेस्ट क्रिकेट की वकालत करती हूं। महिला क्रिकेट में कई मैच ड्रॉ होते हैं। यह ऐसा है जिसपर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, मौसम के कारण हमारा कुछ समय बर्बाद हुआ। हम इस मैच को फिनिश कर लेते, लेकिन इसमें अतिरिक्त दिन नहीं था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ज्योतिष विज्ञान के अनुसार शनि की टेढ़ी नजर यानि वक्र दृष्टि हर व्यक्ति के जीवन में हलचल मचाती है। सूर्य पुत्र शनि देव का नाम सुनकर लोग सहम से जाते हैं। शनि की टेढ़ी चाल से किसे डर नहीं लगता, उनके क्रोध से मनुष्य तो क्या देवता भी थर-थर कांपते हैं, यहां तक की भगवान श्री गणेश पर दृष्टि पड़ते ही उनका सिर कट गया।

शनिदेव की दृष्टि से क्यों कांपते हैं
मनुष्य व देवता

शनि एक पाप ग्रह माना जाता है। शनि की वक्र दृष्टि से अच्छे-भले मनुष्य का नाश हो जाता है। ज्योतिष विज्ञान के अनुसार शनि की टेढ़ी नजर यानि वक्र दृष्टि हर व्यक्ति के जीवन में हलचल मचाती है। सूर्य पुत्र शनि देव का नाम सुनकर लोग सहम से जाते हैं। शनि की टेढ़ी चाल से किसे डर नहीं लगता, उनके क्रोध से मनुष्य तो क्या देवता भी थर-थर कांपते हैं, यहां तक की भगवान श्री गणेश पर दृष्टि पड़ते ही उनका सिर कट गया। जानें आगे क्या हुआ

सनातन धर्म में शास्त्रों के अनुसार भगवान श्री गणेश को भगवान श्री कृष्ण चन्द्र का ही अवतार माना गया है। ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार पुत्र प्राप्त करने की चाह से मां पार्वती ने भगवान श्री कृष्ण चन्द्र जी का ध्यान किया। अपने भक्त की पुकार सुन कर भगवान श्री कृष्ण चन्द्र जी ने वृद्ध ब्राह्मण का रूप धारण कर माता पार्वती को बताया कि वह गणेश रूप में उनके पुत्र बनकर अवतरित होंगे। इस घटना के उपरांत मनमोहनी छवी का बालक मां पार्वती जी के समक्ष अवतरित हुआ। उस बालक के मुख मंडल पर इतना तेज था कि उसके आकर्षण में बंध कर समस्त देवी-देवता और ऋषि-मुनि बालक के दर्शनों हेतू आ गए। जब शनिदेव को ज्ञात हुआ की सभी देवी-देवता और ऋषि-मुनि मनमोहनी छवी के बालक के दर्शन करने गए हैं तो वो भी श्री गणेश के दर्शनों के अभिलाषी बन कर कैलाश पर्वत पर पंहुच गए।

वे खुशी-खुशी कैलाश पर्वत पर पंहुच तो गए मगर उन्होंने बालक गणेश के दर्शन नहीं किए क्योंकि शनिदेव को उनकी पत्नी का शाप था कि उनकी दृष्टि सदैव नीची ही रहेगी, जिस पर उनकी दृष्टि पड़ेगी उसका सिर कट जाएगा। इस भय से की उनके दर्शन करने से बालक का कोई अहित न हो जाए वह आंखे फेरे खड़े रहे।

माता पार्वती को बहुत आश्चर्य हुआ की सभी देवी-देवता और ऋषि-मुनि उनके पुत्र की मनमोहनी छवी को निहार रहे हैं वहीं शनि देव नजरे नीचे किए उनके पुत्र से दूरी क्यों बनाए हुए हैं। उन्होंने शनिदेव को अपने समीप बुलाया और कहा, '' शनिदेव सभी देवी-देवताओं और ऋषि-मुनियों ने मेरे पुत्र के दर्शन कर लिए हैं बस आप ही रह गए हैं। लिजिए गोद में उठा लें बालक को।''

शनिदेव बोले, '' माफ करें माता मैं चाह कर भी इस मनमोहने बालक को अपनी गोद में उठा नहीं सकता और न ही इस पर अपनी दृष्टि डाल सकता हूं।''

माता पार्वती हैरानी से शनि देव की ओर देखने लगी। शनिदेव ने उन्हें अपनी पत्नी द्वारा दिए गए श्राप की बात बताई। किंतु माता बनने का सौभाग्य पाकर माता पार्वती बहुत हर्षित थी। उन्होंने शनिदेव की एक न सुनी और बालक गणेश के दर्शन करने को कहा। माता पार्वती के प्रेमपूर्वक किए गए अग्रह को शनिदेव टाल न सके और उन्होंने बालक पर अपनी दृष्टि डाल दी। शनिदेव के बालक गणेश पर दृष्टि डालते ही उनका सिर कट गया। अपने पुत्र की ऐसी दशा देख माता पार्वती विलाप करने लगी। भगवान श्री हरि विष्णु जल्दी से गए और जाकर एक हाथी के बच्चे का सिर काटकर ले आए और उसे बालक गणेश के सिर पर लगा दिया। उसी दिन से श्री गणेश गजानन कहलाए।

तप का सर्वोत्तम उपाय क्या है ?

परमात्मा की हवा, परमात्मा का पानी, परमात्मा की रोशनी, परमात्मा का खाना, इन चीजों से मनुष्य की शक्ति बनती है। जब मनुष्य मन में यह भावना घर कर लेती है कि मेरी शक्ति से नहीं, उन्हीं की शक्ति से सब कुछ हो रहा है, तब उनमें अनंत शक्ति आ जाती है। परमात्मा की इच्छा से दुनिया की उत्पत्ति हुई है किंतु मनुष्य सोचते हैं कि मेरी कर्मसिद्धि हुई है। कर्मसिद्धि कुछ नहीं हुई है, परमपुरुष की इच्छा की पूर्ति हुई है। वे जैसा चाहते हैं, वैसा हुआ। तुम्हारी ख्वाहिश भी वैसी थी, इसलिए तुम्हारे मन में भावना आई कि मेरी इच्छा की पूर्ति हो गई है। साधक केवल आगे बढ़ेंगे और दुनिया के और व्यक्ति पीछे रह जाएंगे, यह मनोभाव साधक का नहीं है इसलिए कहा जाता है कि साधना का अन्यतम अंग है तप। तप अर्थात अपने स्वार्थ की ओर नहीं ताकना, ताकना है समाज के हित की ओर। सामूहिक कल्याण की भावना जहां है, व्यक्तिगत कल्याण उसमें हो या न हो, उसी का नाम है तप। तप का सर्वोत्तम उपाय क्या है ? जनसेवा जो जनसेवा करते हैं, वे सेवा करते वक्त सेवा प्राप्त करने वाले को नारायण समझते हैं, मनुष्य नहीं। इसलिए जनसेवा से आध्यात्मिक उन्नति तो अवश्य ही होती है। इसके अतिरिक्त मन अत्यन्त निर्मल हो जाता है। उस निर्मल मन से मनुष्य जो कुछ भी करेगा, उसी में उनकी जय-जयकार है।

राशिनुसार दीवारों के रंग कैसे हों

अपनी राशि के अनुरूप रंगों का चयन करके आप अपने मकान को पेंट करवा सकते हैं।
मेष - लाल, मेहरून, ईंट जैसा
वृषभ - सफेद, चमकीला, हरा, बादामी
मिथुन - गहरा हरा, गहरा नीला, पीच, फिरोजी
कर्क - चांदी, सफेद, आसमानी, परपल
सिंह - पीले रंग के हर शेड्स, जामुनी, नारंगी
कन्या - गुलाबी, हल्का हरा, रामा ग्रीन, सी ग्रीन
तुला - सफेद, बेबी पिंक, ब्राउन, मरीन ब्लू
वृश्चिक - हल्का लाल, लाइट मेजेंटा, पिकॉक ब्लू
धनु - लाइट येलो, हल्दी जैसा पीला, पीच
मकर - ग्रे, डार्क ऑरेंज, ब्राऊन, लाइट ब्लू
कुंभ - ब्लू के सभी शेड्स, खिलता पिंक, मेटल शेड
मीन - ऑरेंज के सभी शेड्स, हल्का बैंगनी, डार्क बादामी

सपनों में छुपा है जीवन का रहस्य

- शास्त्रों के अनुसार सपने में आकाश में उडना, नदी या समुद्र में तैरना, तारों या चंद्रमा का दर्शन, महल या पर्वत की चोटी पर आसीन होना शुभ रहता है।
- सपने में पानी वाली जगह जैसे तालाब पोखर में नहाना, सफेद फूल, दर्पण, देवी-देवता, आभूषण से सुसज्जित स्त्री को देखना सुखकारक होता है।
- यदि आप स्वप्न में स्वयं को मल में लिपटा हुआ पाते हैं या सांप ने आपको काट लिया है, तो इसका मतलब है कि आपको धन की प्राप्ति होगी।
- सपने में आपके सिर पर सांप काट ले, तो आपको बेहतरीन नौकरी, पुराना धन मिलने, विवादित या बरसों से बाधित काम के योग बनते हैं।
- सपने में यदि अपने दांत टूटे दिखें, तो इसका मतलब है कि आप बीमार पडने वाले हैं। खाई में गिरना पद-हानि, अथवा पतन का प्रतीक माना जाता है।
- स्वप्न में सिर के केशों का गिरना-भयानक बीमारी, सोने के गहने का टूटना या खोना दुर्घटना का सूचक है। सपने में दूध का जलना भी अशुभ माना जाता है।

कैसे करें नवग्रह को प्रसन्न

ज्योतिष के अनुसार हमारे अंतरिक्ष में फैले सौर मण्डल के 9 ग्रहों का धरती पर स्थित सभी प्राणियों, यहां तक कि जल और पेड़-पौधों पर भी प्रभाव पड़ता है। ज्योतिष गणना के मुताबिक प्रत्येक जातक पर जन्म लग्न, दशा-महादशा, अंतरदशा तथा प्रत्यंतरों का प्रभाव निश्चित पड़ता है। लग्न, जन्मराशि तथा नाम राशि से चौथे, आठवें, बारहवें स्थान की स्थिति का प्रभाव सभी पर पड़ता है। नवग्रहों के दुष्प्रभाव को शांत करने के लिए भी कई उपाय ज्योतिष में बताए गए हैं जिनका विधि-विधान से पालन करें तो अवश्य लाभ मिलता है।

सूर्य शांति के लिए आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। माता-पिता की सेवा तथा सूर्य को अर्घ्य, जल में रोली तथा लाल पुष्प डालकर देना चाहिए। सोना-तांबा तथा चीनी-गुड़ का दान भी करें। सूर्योदय से पूर्व उठें तथा रविवार का व्रत करें।

ध्यान देने योग्य बातें- नमक का कम उपयोग करें। बुजुर्गों का सम्मान करें। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में भाग लें।

चंद्रदेव शांति के लिए नम: शिवाय मंत्र का जप करें। पानी वाला नारियल, सफेद चंदन तथा चांदी का चंद्रमा, विल्बपत्र, सफेद मिष्ठान्न का भगवान शंकर को भोग लगाएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- सोमवार का व्रत करें तथा सफेद वस्त्र का दान करें, पहाड़ों की यात्रा करें तथा स्वमाता के चरण छूकर आशीर्वाद प्राप्त करें।

मंगल की शांति के लिए हनुमानजी को चमेली का तेल मिश्रित सिंदूर व शुद्ध घी का चोला चढ़ाएं तथा मंगल स्तोत्र का पाठ करें। इमरती, जलेबी, बूंदी तथा चूरमे का प्रसाद अर्पण करें।

ध्यान रखने योग्य बातें- अपने कुटुंब, सहयोगियों से बैर न रखें। सगे भ्राता को सम्मान दें। मंगलवार का व्रत करें।

बुध ग्रह की शांति के लिए मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करनी चाहिए। हरे मूंग भिगोकर पक्षियों को डालें। पालक या हरा चारा गायों को खिलाएं। पक्षियों विशेषकर तोतों को पिंजरों से स्वतंत्रता दिलाएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- नौ वर्ष से छोटी कन्याओं के पाद प्रक्षालन अर्थात पैर धोकर उनको प्रणाम करके आशीर्वाद प्राप्त करें। बुधवार का व्रत रखें। मंत्रानुष्ठान हवन करके बुध की अनुकंपा प्राप्त करें।

बृहस्पति देव गुरु की प्रसन्नता के लिए ब्राह्मणों का सम्मान करके उनका आशीर्वाद प्राप्त करें। चने की दाल तथा केशर का मंदिर में दान करें, केशर का तिलक मस्तक पर लगाएं एवं ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों का योग्य व्यक्तियों को दान करें।

ध्यान रखने वाली बातें- किन्नरों की सेवा करें। भगवान ब्रह्मा का केले से पूजन करें तथा कुल पुरोहित का सम्मान करके आशीर्वाद प्राप्त करें एवं यथाशक्ति स्वर्ण का दान करें।

शुक्र ग्रह की शांति के लिए कनकधारा महालक्ष्मी का दैनिक पाठ करें। श्वेत और स्वच्छ वस्त्र पहनने चाहिए। गो की सेवा तथा गोशाला में गुड़, हरा चारा, चने की दाल गायों को खिलाएं। विशेष रूप से श्रीविद्या का पूजन कराएं। एकाक्षी ब्राह्मण को कांसे के कटोरे में खीर खिलाकर दक्षिणा देकर आशीर्वाद प्राप्त करें। विशेष परिस्थिति में रोग हो तो मृत संजीवनी का मंत्र जप कराएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- अपनी पत्नी का सम्मान करना चाहिए। संयम से रहें। व्यसनों से बचें।

शनि ग्रह की शांति के लिए पीपल वृक्ष तथा भैरव का पूजन करें। इमरती, उड़द की दाल, दही बड़े भैरवजी को चढ़ाएं व प्रसाद में बांटें। श्री हनुमान चालीसा तथा सुंदरकांड का नियमित पाठ करें।

ध्यान रखने योग्य बातें- मजदूरों को तली हुई खाद्य वस्तुओं का दान करें। शनिवार का व्रत करें। पिता के संबंधियों से अच्छे मधुर संबंध बनाए रखें। शनिवार को तिल के तेल का शनि पर अभिषेक करें।

राहु की शांति के लिए मां सरस्वती का पाठ-पूजन करना चाहिए, घर पर बने शुद्ध शाकाहारी भोजन का ही सेवन करें।

ध्यान रखने योग्य बातें- किसी भी प्रकार का बिजली का सामान इकट्ठा न होने दें तथा बिजली का सामान मुफ्त में न लें। मातृपक्ष के संबंधियों की सेवा करें और अश्लील साहित्य या फिल्में न देखें।

केतु ग्रह की शांति के लिए गणेशजी की पूजा-अर्चना करें। बच्चों को केले खिलाएं और किसी भी धर्मस्थल पर ध्वजा चढ़ाएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- कुत्तों को तेल चुपड़ी रोटी खिलाएं। कुत्तों को चोट कदापि न पहुंचाएं।

मनुष्य के पापों को कैसे धोती हैं
गंगा, यमुना और सरस्वती

अनेक धार्मिक स्थानों पर लोग अपनी-अपनी इच्छाओं और मन्नतों की पूर्ति के लिए जाते हैं। इन स्थानों पर आकर ही समझ में आता है कि मनुष्य कितना कमजोर और नि-सहाय है। इसमें कोई शक नहीं है कि यहां आकर अच्छे-अच्छों के सिर झुक जाते हैं। नास्तिक भी स्वीकार करेंगे कि यहां पर मनुष्य के अहम् की समाप्ति होती है।
यहां आदमी सेवा, त्याग, दान, चिंतन वह सब कुछ करने को तैयार हो जाता है, करता भी है, जो वह अमूमन अपने घर में नहीं करता। तो क्या यह डर है ? बहुत हद तक। मगर इन सब में प्रमुख यह है कि यहां भी भक्त कहीं न कहीं स्वार्थी ही सिद्ध होती है। तभी तो वह अपने लिए विभिन्न सुख की कामना और दु-ख के निवारण की प्रार्थना करता है और अधिक हुआ तो अपने परिवार के सदस्यों की सुख-समृद्धि के लिए पूजा-अर्चना करता है। दक्षिण चन्द्रभागा के तट पर श्री विट्ठल भगवान के मंदिर के पास ही प्राय- पांच सौ गज दूरी पर पुण्डरीक का मंदिर है और इस धार्मिक स्थान का बड़ा महात्मय है क्योंकि यह ऐसे माता-पिता के भक्त हुए हैं जिन्होंने उनकी सेवा में अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया था यहां तक की भगवान जब उन्हें दर्शन देने आए तो जानें आगे क्या हुआ-

यह पुण्डरीक पहले माता-पिता के भक्त नहीं थे। एक बार वह पत्नी सहित काशी गए और वहां उन्होंने काशी से तीन कोस दूर मातृ-पितृ भक्त महात्मा कुक्कुट के आश्रम में गंगा, यमुना और सरस्वती को उनकी सेवा करते देखा। पुण्डरीक जब उनके चरण स्पर्श करने को आगे बड़े तो वे यह कह कर दूर हट गई की तुम पापी हो, हमें छुना मत। पुण्डरीक के बहुत अनुनय विनय करने पर गंगा, यमुना और सरस्वती ने बताया कि तुम जैसे पापी मनुष्य हम में स्नान करके जो पाप राशि छोड़ जाते हैं उस पाप राशि को धोकर विशुद्ध करने और पुण्य अर्जित करने के लिए महान पुरूषों के आश्रम में आकर उनकी सेवा करती हैं। यह सुनकर पुण्डरीक ने उनसे अपने उद्धार का उपाय पूछा। उन्होंने कुक्कुट ऋषि के पास जाकर उनसे पूछने को कहा। तदनुसार पुण्डरीक ने कुक्कुट ऋषि के पास जाकर अपनी कथा सुनाई और उद्धार का उपाय पूछा। इस पर परम मातृ-पितृ भक्त कुक्कुट ऋषि ने कहा की पुण्डरीक, तू बड़ा मूर्ख है जो माता-पिता की सेवा को छोड़कर यहां काशी तीर्थ के लिए आया है। तुझे यहां क्या फल मिलेगा? माता-पिता की सेवा काशी यात्रा से कहीं अधिक श्रेष्ठ है। जा, यहां से और माता-पिता की सेवा कर। कुक्कुट ऋषि के वचन सुन कर पुण्डरीक वहां से लौट आए और पूर्ण श्रद्धा व प्रेम से माता-पिता की सेवा करने लगे। वे फिर माता-पिता के साथ पण्ढरी में आकर रहने लगे। उनकी मातृ-पितृ भक्ती से प्रसन्न होकर एक दिन उन्हें दर्शन देने के लिए स्वयं भगवान पधारे। उस समय पुण्डरीक अपने माता-पिता की सेवा में व्यस्त थे। उन्होंने भगवान को उचित आदर सत्कार देने की अपेक्षा माता-पिता की सेवा को श्रेष्ठ समझा और भगवान की अपेक्षा न हो इसलिए भगवान की ओर एक ईंट बढ़ा कर प्रार्थना की कि आप इस ईंट पर खड़े रहें। भगवान भक्त वत्सल हैं अर्थात अपने भक्तों के अधीन रहते हैं और भक्त भगवान को अपने प्रेम के वश में करके मनचाही करवा लेते हैं। अत- भगवान भक्त के अग्रह पर उस ईंट पर खड़े हो गए। पुण्डरीक माता-पिता की सेवा से निवृत होकर उसी ईंट के समीप गए और हाथ जोड़कर भगवान की स्तुती करने लगे। भगवान उसकी स्तुति से खुश हुए और उन्होंने उसे वर मांगने को कहा। पुण्डरीक बोले, मेरी अपने माता-पिता के चरणों में इसी प्रकार सेवा और भक्ति बनी रहो। कृपया करके आप इसी रूप में यहां विराजित हो जाए। पुण्डरीक को तथास्तु! कहकर भगवान पुण्डरीक की इच्छानुसार श्री विग्रह के रूप में ईंट पर ही खड़े हो गए और आज तक उनके श्री विग्रह की पूजा होती है और पुण्डरीक के माता-पिता की समाधि भी उन्हीं के मंदिर के पास विद्यमान है। सारांश यह निकलता है कि केवल माता पिता की सेवा से ही मनुष्य का कल्याण हो सकता है।

शिव पूजा में वर्जित हैं शंखनाद

विश्व के सभी धर्मों में हिन्दू धर्म सबसे पुराना धर्म है। ये वेदों पर आधारित है, यह अपने गर्भ में विभिन्न देवी देवताओं की उपासनाओं, मतों, धार्मिक पंथों, और दर्शनों को समेटे हुए है। हिन्दु धर्म के लोग अपनी-अपनी आस्था के अनुसार अपने इष्ट देव को मानते हैं। मानव मन जिस भी देवी-देवता की लीलाओं से अधिक प्रभावित होता है उसे उस देवता को अपना इष्ट देव बनाना चाहिए और उनका ध्यान करना चाहिए। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार पांच प्रमुख देवता हैं विष्णु, गणेश, सूर्य, शिव और शक्ति। जो शक्तियों के अलग-अलग रूप हैं। हिन्दू धर्म के इन प्रमुख देवताओं में से भगवान शिव को देवों के देव महादेव कहा जाता हैं। भगवान शिव के 108 नाम हैं। भगवान शिव को सभी विद्याओं का जनक भी माना जाता है। वे तंत्र से लेकर मंत्र तक और योग से लेकर समाधि तक प्रत्येक क्षेत्र के आदि और अंत हैं। यही नहीं वे संगीत के आदि सृजनकर्ता भी हैं, और नटराज के रुप में कलाकारों के आराध्य भी हैं। वास्तव में भगवान शिव देवताओं में सबसे अद्भुत देवता हैं। कोई भी प्रार्थना, पूजा पाठ, आराधना, मंत्र, स्तोत्र और स्तुतियों का फल तभी प्राप्त होता है जब आराधना विधि-विधान और शास्त्रोक्त तरीकों से की जाए। शिव उपासना में शंख का प्रयोग वर्जित माना गया है। पुरातन कथाओं के अनुसार भगवान शिव की पूजा में शंख का प्रयोग नहीं होता। इन्हें शंख से न तो जल अर्पित किया जाता है और न ही शंख बजाया जाता है। आध्यात्मिक ग्रंथों, पौराणिक मतों के अनुसार देवता और दानवों ने अमृत की खोज के लिए मंदराचल पर्वत की मथानी से क्षीरसागर मंथन किया, उससे 14 प्रकार के रत्न प्राप्त हुए। आठवें रत्न के रूप में शंखों का जन्म हुआ। शंख को विजय, समृद्धि, सुख, यश, कीर्ति तथा लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। वैदिक अनुष्ठानों एवं तांत्रिक क्रियाओं में भी विभिन्न प्रकार के शंखों का प्रयोग किया जाता है। पुरातन कथा के अनुसार एक समय श्री राधा रानी गोलोक धाम से कहीं बाहर गई हुई थी। श्री कृष्ण अपनी सखी विरजा के साथ विहार कर रहे थे। संयोगवश उसी समय श्री राधा रानी वहां आ गई। सखी विरजा को अपने प्राण प्रिय श्री कृष्ण के साथ देख कर श्री राधा रानी को बहुत क्रोध आया। क्रोध में उन्होंने कुछ ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जिससे विरजा को बहुत लज्जा महसूस हुई। लज्जावश विरजा ने नदी का रूप धारण कर लिया और वह नदी बनकर बहने लगी। श्री राधा रानी के क्रोध भरे शब्दों को सुन कर श्री कृष्ण के मित्र सुदामा को बहुत बुरा लगा उन्हेंने श्री राधा रानी से ऊंचे स्वर में बात की। जिससे क्रोधित श्री राधा रानी ने सुदामा को दानव बनने का श्राप दे दिया।

आवेश में आए सुदामा ने भी हित-अहित का विचार किए बिना श्री राधा रानी को मनुष्य योनि में जन्म लेने का श्राप दे दिया। श्री राधा रानी के श्राप से सुदामा शंखचूर नाम का दानव बना। दंभ के पुत्र शंखचूर का वर्णन शिवपुराण में भी मिलता है। यह अपने बल के खुमार में तीनों लोकों का स्वामी बन बैठा। साधु-संतों को सताने लगा। साधु-संतों की रक्षा के लिए भगवान शिव ने शंखचूर का वध कर दिया। शंखचूर श्री विष्णु और देवी लक्ष्मी का परम प्रिय भक्त था। भगवान विष्णु ने इसकी हड्डियों से शंख का निर्माण किया इसलिए विष्णु एवं अन्य देवी देवताओं को शंख से जल अर्पित किया जाता है। शंख भगवान विष्णु को बहुत ही प्रिय हैं लेकिन शिव जी ने शंखचूर का वध किया था इसलिए शंख भगवान शिव की पूजा में वर्जित माना गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

ब्राजील में महामारी से मृतकों का आंकड़ा बढ़ने पर राष्ट्रपति के खिलाफ सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारी

रियो डी जिनेरियो। ब्राजील में कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वाले लोगों की संख्या पांच लाख से अधिक होने के बाद शनिवार को कई शहरों में सरकार विरोधी हुए। इस स्थिति को लेकर कई आलोचकों का कहना है कि राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो ने महामारी को कमतर आंकने की कोशिश की और इसी वजह से देश में स्वास्थ्य संकट खड़ा हुआ है। हजारों लोग झंडे लिए रियो डी जिनेरियो में एकत्रित हुए जिनपर लिखा हुआ था ''गेट आउट बोलसोनारो, भुखमरी और बेरोजगारी की सरकार।' रियो में प्रदर्शन में शामिल 20 वर्षीय छात्रा इसाबेला गोलजोर ने कहा, ''ब्राजील को बड़ा झटका लग रहा है। यह देश दुनियाभर में टीकाकरण के लिए एक अनुकरणीय देश था। हमारे संस्थानों का बहुत नाम है लेकिन आज हम एक दुखद स्थिति में हैं।'' राष्ट्रपति को जिम्मेदार ठहराते हुए कुछ अन्य पोस्टरों पर लिखा था, '' पांच लाख लोगों की मौत, यह उसकी गलती है।'' इसी तरह ब्राजील के कई राज्यों में प्रदर्शन हुए। रियो में प्रदर्शनकारियों ने 'गेट आउट बोलसोनारो, नरसंहार करने वाला'' के नारे लगाए। इनमें से कुछ ने पूर्व वामपंथी राष्ट्रपति लुइस इनासियो लुला डी सिल्वा की तस्वीर वाली टी-शर्ट पहन रखी थी। साओ पाउलो में प्रदर्शनकारियों ने वायरस से जान गवांने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी।

ओमान में कोरोना के मामले बढ़ने पर फिर लगाया गया लॉकडाउन

दुबई। कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों पर काबू पाने की कोशिश कर रहे ओमान ने फिर से सख्त रात्रिकालीन लॉकडाउन लगा दिया है। टीकाकरण अभियान के बीच ज्यादातर पाबंदियां हटाने के महज कुछ ही हफ्तों बाद देश ने शनिवार को आवाजाही पर व्यापक प्रतिबंध और सभी सार्वजनिक स्थानों तथा गैर आवश्यक उद्योगों को रात आठ बजे से सुबह चार बजे तक बंद करने की घोषणा की। इस अरब देश में कोरोना वायरस संक्रमण के दैनिक मामले पिछले महीने की तुलना में तीन गुना अधिक हैं। प्रमुख अस्पतालों में बिस्तरों और कर्मचारियों की कमी हो गयी है और डॉक्टरों को बड़ी संख्या में पहुंच रहे मरीजों का इलाज करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। अधिकारियों ने इस हफ्ते कोविड-19 मरीजों में ''ब्लैक फंगस'' के कई मामलों का पता लगाया। यह एक जानलेवा संक्रमण है जो भारत में महामारी के कई मरीजों में भी तेजी से फैला है। ओमान में कोरोना वायरस संक्रमण के 2,42,700 से अधिक मामले सामने आए हैं और 2,600 लोगों की मौत हुई।

पाकिस्तान के एमक्यूएम के समर्थकों ने व्हाइट हाउस और विदेश मंत्रालय के बाहर किया प्रदर्शन

वाशिंगटन। पाकिस्तान के मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) के समर्थकों ने वाशिंगटन में व्हाइट हाउस और विदेश मंत्रालय के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हुए रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि मुहाजिर समुदाय, विशेषकर पाकिस्तान के सिंध प्रांत के शहरी क्षेत्र में रह रहे समुदाय को आईएसआई के अत्याचारों और बर्बरता का सबसे अधिक निशाना बनाया जा रहा है। एमक्यूएम ने व्हाइट हाउस और विदेश मंत्रालय को सौंपी अपनी याचिका में कहा, ''हमने पहले ही

हालिया घटनाओं के संदर्भ में एक संपूर्ण विस्तृत रिपोर्ट आपके कार्यालय में जमा करायी है।'' उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकारों के घोषणा पत्र के तहत ''आत्मनिर्णय के अधिकार'' की मांग करते हुए अमेरिकी प्रशासन से अनुरोध किया कि वह जमीनी हकीकत पता करने के लिए मुहाजिर और उत्पीड़न का शिकार हो रहे सिंधियों से बातचीत के लिए संयुक्त राष्ट्र की एक टीम भेजे। याचिका में कहा गया है कि अमेरिका ''चीनी उपनिवेशवाद को खत्म करने में मदद करें।'' एमक्यूएम ने संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठन से पाकिस्तान में अपरहण, न्यायेतर हत्या और सिंध के लोगों का राजनीतिक उत्पीड़न समेत मानवाधिकारों का उल्लंघन रोकने में मदद के लिए दखल देने का भी अनुरोध किया।

अमेरिका के अरकंसास में बस और वाहन के बीच टक्कर, 11 लोग घायल

कोर्निंग (अमेरिका)। अमेरिका के अरकंसास में चर्च की एक बस के एक अन्य वाहन से टकरा जाने से कम से कम 11 लोग घायल हो गए। क्ले काउंटी के शेरिफ टेरी मिलर ने टीवी चैनल केएआईटी को बताया कि यह हादसा कोर्निंग के उत्तर में राजमार्ग 67 पर हुआ और घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। कोर्निंग अरकंसास की सीमा के पास है और लिटिल रॉक से लगभग 273 किलोमीटर उत्तर पूर्व में है।

साउथ फ्लोरिडा में प्राइड परेड की शुरुआत में चालक ने दर्शकों की भीड़ में घुसाया ट्रक, दो लोग घायल

साउथ फ्लोरिडा में एक प्राइड परेड की शुरुआत में एक ट्रक चालक ने दर्शकों की भीड़ में अपना वाहन घुसा दिया, जिससे कम से कम दो लोग घायल हो गए। डब्लूएसवीएन-टीवी ने बताया कि फोर्ट लॉडरडेल के मेयर डीन ट्रैंटालिस ने पुष्टि की कि दुर्घटना शनिवार शाम विल्टन मैनर्स के पास स्टोनवेल प्राइड परेड के दौरान हुई। डब्ल्यूपीएलजी-टीवी ने बताया कि ट्रक के चालक को हिरासत में ले लिया गया है। अधिकारियों ने अभी यह नहीं बताया कि घायलों की स्थिति कैसी है और न ही यह जानकारी दी गई है कि यह दुर्घटना जानबूझकर की गई थी या नहीं। विल्टन मैनर्स पुलिस ने शनिवार रात ट्वीट किया कि लोगों को खतरा नहीं है। डब्ल्यूपीएलजी-टीवी के अनुसार, विल्टन मैनर्स के मेयर स्कॉट न्यूटन ने कहा, ''आज के स्टोनवॉल कार्यक्रम में एक दुखद घटना हुई। इसमें शामिल सभी लोगों की सुरक्षा के लिए परेड रद्द कर दी गई है और गहन जांच की जा रही है।

महंगी कीमत पर वैक्सीन भी बेच रहा और दाम भी छिपा रहा चीन, जानें अब नेपाल पर क्यों भड़क उठा है ड्रैगन

काठमांडू (एजेंसी)।

जिस नेपाल को भारत ने फ्री और काफी कम दाम में वैक्सीन दी, उसी नेपाल को उसके नए-नवेले सदाबहार दोस्त चीन ने दोस्ती का अच्छा सिला दिया है। नेपाल को चीन न सिर्फ महंगे दाम में वैक्सीन बेच रहा है, बल्कि कीमत का खुलासा करने पर भी रोक रहा है। जब नेपाल ने चीनी वैक्सीन की कीमत को उजागर किया तो चीन लाल हो गया। बताया जा रहा है कि चीन नेपाल से नाराज है क्योंकि कुछ नेपाली मीडिया प्रकाशनों ने सिनोफार्म वैक्सीन की खरीद मूल्य का खुलासा किया है, जिसके एक डोज की कीमत 10 डॉलर यानी करीब 741 रुपए बताई जा रही है। बता दें कि इसी रेट पर नेपाल, चीन से कोरोना की दूसरी लहर से निपटने के लिए वैक्सीन खरीदने की योजना बना रहा है।

दरअसल, ऐसी रिपोर्ट है कि कोरोना वायरस के बढ़ते कहर के बीच नेपाल की ओली सरकार ने अपने नए-नवेले दोस्त चीन से कोरोना वैक्सीन की 40 लाख डोज खरीदने का सौदा किया है। सिनोफार्म कंपनी ने यह शर्त रखा है कि नेपाल इस वैक्सीन की खरीद की कीमत का खुलासा नहीं करेगा। कंपनी ने यह समझौता किया है कि नेपाल इसकी कीमत और डिलीवरी डेट से संबंधित सूचना को सार्वजनिक नहीं करेगा। मगर मीडिया में इसकी सूचना आने पर चीन तमतमा गया है। काठमांडू पोस्ट

के आर्टिकल से सिनोफार्म वैक्सीन की कीमत का पता चला है। इसकी एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन से कोरोना के ये टीके एक नॉन डिस्क्लोजर एग्रीमेंट के तहत खरीदे जाने हैं। इस एग्रीमेंट के बिना चीन नेपाल को वैक्सीन देने को तैयार नहीं था। काठमांडू पोस्ट के आर्टिकल में दो मंत्रियों और दो सरकारी सचिवों की पुष्टि के आधार पर नेपाल को आपूर्ति की जाने वाली सिनोफार्म वैक्सीन की खुराक की कीमत का पता चला, जो सोमवार की कैबिनेट में मौजूद थे। इन्होंने ही सिनोफार्म से वैक्सीन की 4 मिलियन यानी 40 लाख खुराक खरीदने का फैसला किया था। अखबार ने बताया कि चीनी वैक्सीन निर्माता कंपनी सिनोफार्म की नॉन डिस्क्लोजर एग्रीमेंट की प्रकृति को देखते हुए अभी फाइनल कीमत तय नहीं की गई है, मगर अधिकारियों के अनुसार, यह लगभग 10 डॉलर यानी 741 रुपए (भारतीय रुपए) प्रति खुराक हो सकती है। यानी वैक्सीन की दो डोज की कीमत 1482 रुपए (भारतीय रुपए) हो सकती है। यहां बताना जरूरी है कि नेपाल को भारत ने इससे काफी कम दाम में वैक्सीन दी है। नेपाली स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता डॉ कृष्ण प्रसाद पौडेल ने बताया कि जिस तरह से मीडिया ने वैक्सीन की कीमत और अन्य लॉजिस्टिक मुद्दों को सार्वजनिक किया, वह चिंताजनक है क्योंकि ये बहुत संवेदनशील मुद्दे हैं। कई अधिकारियों ने पुष्टि की कि चीन ने नेपाल सरकार की एजेंसियों के प्रति अपनी नाराजगी बताई। अधिकारियों ने अखबार को बताया कि सिनोफार्म ने नेपाल सरकार द्वारा वैक्सीन खरीद को सार्वजनिक करने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। अधिकारियों की मानें तो इसी तरह काठमांडू में चीनी दूतावास ने भी विदेश मंत्रालय को वैक्सीन खरीद के सौदे के समझौते के बारे में याद दिलाया। चीन की नाराजगी का असर यह हुआ कि नेपाल सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मीडिया पर ही भड़ास निकालने लगे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान जारी कर चीन से वैक्सीन खरीदने की मीडिया में आई खबरों का खंडन किया। इसने न केवल यह कहा कि अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है, बल्कि चीन से टीके की खरीद के बारे में सूचना प्रसारित करने के लिए मीडिया को दोषी ठहराया है। मंत्रालय की ओर से जो बयान जारी किया गया, वह अंग्रेजी में था, जो प्रायः ऐसा नहीं होता है।

अर्थव्यवस्था को फिर से शुरू करने के लिए 120 दिनों में पूरी तरह से प्रतिबंध हटाएगा थाईलैंड

बैंकॉक, (एजेंसी)।

थाईलैंड के प्रधानमंत्री प्रयुत चान ओ चा ने कहा है कि 120 दिनों में विदेशी आगंतुकों के लिए पूरी तरह से फिर से खोलने और अक्टूबर तक लगभग 5 करोड़ लोगों को वैक्सीन का कम से कम एक शॉट प्रदान करने का लक्ष्य बना रहा है।

प्रयुत ने एक टेलीविजन पते में कहा कि पर्यटन स्थल जो तैयार हैं, पूरी तरह से टीकाकरण वाले विदेशी आगंतुकों के लिए फिर से खुल सकते हैं। समाचार एजेंसी ने प्रीमियर के हवाले से कहा कि देश जुलाई से एक महीने में औसतन लगभग 1 करोड़ खुराक देने की योजना बना रहा है, और अक्टूबर की शुरूआत तक लगभग 5 करोड़ लोगों को कम से कम एक शॉट मिलेगा।

हालांकि इस फैसले से संक्रमण में वृद्धि का जोखिम हो सकता है। इस बारे में उन्होंने कहा, हमने लोगों की आर्थिक जरूरतों को ध्यान में रखा है। अब समय आ गया है कि हम उस परिकलित जोखिम को उठाएं। हमारे देश के लिए प्राथमिकताओं को अब अगले स्तर पर आगे बढ़ना चाहिए। महामारी से त्रस्त, थाईलैंड ने पिछले साल दो दशकों से अधिक समय में अपनी सबसे खराब आर्थिक मंदी दर्ज की। देश अप्रैल से संक्रमणों में तेज उछाल से जूझ रहा है। पिछले 10 हफ्तों के दौरान 80 प्रतिशत से अधिक कोसों की सूचना मिली है। देश में अब तक 218,131 कोविड मामले सामने आ चुके है और 1,629 मौतें हुई हैं।

पेरू ने भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका से उड़ानों के निलंबन को 11 जुलाई तक बढ़ाया

लीमा। कोविड के प्रसार को रोकने के मद्देनजर पेरू ने भारत, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील से वाणिज्यिक उड़ानों के निलंबन को 11 जुलाई तक बढ़ा दिया है। सरकार ने इसकी घोषणा की है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, आधिकारिक समाचार पत्र एल पेरुआनो में इस खबर को प्रकाशित किया है। देश में डेल्टा संस्करण के दूसरे मामले की खोज के बाद शनिवार को इस फैसले को अपनाया गया। 10 मई को सबसे पहले इस नियम को लागू करने वाले यहां की सरकार ने यह भी आदेश दिया है कि उन देशों से या उसके माध्यम से आने वाले पेरूवासियों को उनके घरों में 14 दिन तक क्वॉरंटाइन में रहना होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस महीने अरेक्विपा के क्षेत्र में डेल्टा संस्करण के दो पुष्ट मामलों की सूचना दी, जिसने सरकार को संक्रमण से बचने के लिए अत्यधिक अलर्ट रहने की घोषणा सुनाने पर मजबूर किया। स्वास्थ्य मंत्री ऑस्कर उगार्टे ने शुक्रवार को अरेक्विपा के आसपास एक महामारी का घेरा बनाए जाने की घोषणा की, जिसके तहत इस क्षेत्र से आने-जाने वाली परिवहन सेवाओं पर प्रतिबंध शामिल है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पेरू में अब तक 189,933 मौतें हुई हैं और 2,023,179 मामले दर्ज किए गए हैं।

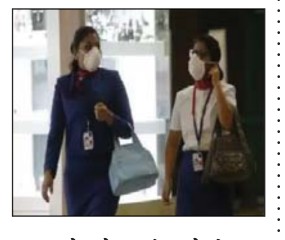

परिवार के साथ नेतन्याहू कब खाली करेंगे पीएम आवास? जानिए नये पीएम ऑफिस ने क्या कहा..

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

इजरायल में सत्ता परिवर्तन हो चुका है। बेंजामिन नेतन्याहू अब विपक्ष के नेता बन चुके हैं। कई लोगों के मन में यह सवाल है कि आखिर पूर्व प्रधानमंत्री आधिकारिक पीएम आवास कब खाली करेंगे? पूर्व पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और उनका परिवार 10 जुलाई को प्रधानमंत्री आवास छोड़ देगा। इसी महीने नेतन्याहू को प्रधानमंत्री के तौर पर अपना पद छोड़ना पड़ा है। बेंजामिन नेतन्याहू 12 साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे। विदेश मंत्री येर लेपिड और नफ्ताली बेनेट ने गठबंधन की सरकार इजरायल में बनाई है। 2 साल में इजरायल में चार बार चुनाव हुए। प्रधानमंत्री की कुर्सी बचाने के लिए जरुरी विश्वास मत हासिल नहीं कर पाने की वजह से बेंजामिन नेतन्याहू को जेरुसलम स्थित आधिकारिक पीएम आवास अब खाली करना होगा।

पिछले साल बालफोर स्ट्रीट के पास स्थित पीएम आवास के बाहर नेतन्याहू के खिलाफ प्रदर्शन भी हुए थे। नेतन्याहू पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे और प्रदर्शनकारी पीएम से इस्तीफा देने की मांग कर रहे थे। हालांकि, उस वक्त बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार कर दिया था और साथ ही साथ पीएम आवास भी खाली करने से इनकार कर दिया था।

शनिवार को बेनेट और नेतन्याहू कार्यालय ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा था कि नेतन्याहू अपने परिवार के साथ 10 जुलाई को पीएम आवास खाली करने के लिए राजी हो गये हैं। बयान में यह भी कहा गया था कि आवास खाली होने के बाद यहां नए प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट रहेंगे।

बता दें कि हाल ही में अपने एक भाषण में नेतन्याहू ने नई सरकार को खतरनाक करार दिया था और कहा था वह पूरी क्षमता से विपक्ष की भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा था कि वो लिकुड पार्टी का नेतृत्व करेंगे और गठबंधन सरकार को सत्ता से हटाए बिना चैन से नहीं बैठेंगे। इजरायल की सुरक्षा उनके जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य है। ट्विटर पर देशवासियों के लिए नेतन्याहू ने प्यार और आभार भी जताया था।

तालिबान बोला, अफगानिस्तान में शांति के लिए 'इस्लामिक सिस्टम' ही रास्ता, महिलाओं को पर्दे में रहना ही होगा

काबुल (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में शांति कायम करने के लिए भले ही सरकार की ओर से तमाम प्रयास किए जा रहे हैं और तालिबान से भी वार्ता की जा रही है, लेकिन कट्टरवादी संगठन ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है। उलटे तालिबान का कहना है कि अफगानिस्तान में शांति के लिए इस्लामिक व्यवस्था ही एकमात्र रास्ता है। सरकार के साथ जारी बातचीत के बीच रविवार को तालिबान ने कहा कि हम शांति वार्ता के लिए तैयार हैं, लेकिन देश में %वास्तविक इस्लामिक व्यवस्था% ही एकमात्र रास्ता है, जिससे युद्ध समाप्त हो सकता है और लोगों को उनके अधिकार मिल सकते हैं। तालिबान ने कहा कि इस्लामिक सिस्टम के तहत ही महिलाओं को भी उनके अधिकार मिल पाएंगे।

तालिबान और अफगानिस्तान सरकार के बीच बीते कई महीनों से बातचीत चल रही है, लेकिन गतिरोध कायम है। इस बीच मई से अमेरिकी सैनिकों की वापसी जारी है और इसके चलते तालिबान ने हिंसा का तांडव शुरू कर दिया है। अफगानिस्तान में इस बात को लेकर भी लोग खौफजदा हैं कि यदि तालिबान की सत्ता में वापसी होती है तो इस्लामिक नियमों के नाम पर वह क्रूर अत्याचार शुरू कर सकता है। एक दौर में तालिबान ने लड़कियों की स्कूली शिक्षा पर रोक लगा दी थी। इसके अलावा किसी अन्य व्यक्ति से संबंध बनाने पर महिलाओं को पत्थरों से मारने जैसी क्रूर सजाएं दी जाती थीं। ऐसे में लोगों को डर है कि तालिबान यदि सत्ता में आता है तो एक बार फिर से वैसा ही दौर शुरू हो सकता है।

एक तरफ तालिबान की ओर से अफगानिस्तान में हिंसा की जा रही है तो वहीं उसके सह-संस्थापक मुल्ला अब्दुल गनी बारादर का कहना है कि हम शांति वार्ता को जारी रखना चाहते हैं। बारादर ने कहा कि हम बातचीत में लगातार शामिल हैं। यह इस बात का संकेत है कि हम आपसी समझ से सभी मुद्दों को सुलझाने के पक्ष में हैं। मुल्ला अब्दुल गनी ने कहा कि अफगानिस्तान में संघर्ष को खत्म करने का एक ही तरीका है कि इस्लामिक सिस्टम को स्थापित किया जाए और सभी विदेशी सैनिकों की वापसी हो। तालिबान के सरगना ने कहा कि एक वास्तविक इस्लामिक सिस्टम ही अफगानिस्तान में सभी मुद्दों को सुलझाने का एक तरीका है।

जानें कहां 11 करोड़ साल पहले के अंतिम 6 डायनासोरों के फुटप्रिंट मिले

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन में केंट की धरती पर 11 करोड़ साल पहले के आखिरी डायनासोरों की कम से कम छह विभिन्न प्रजातियों के पैरों के निशान मिले हैं। अनुसंधानकर्ताओं ने एक नई रिपोर्ट में इस बात का दावा किया है। हेस्टिंग म्यूजियम एंड आर्ट गैलरी के एक क्यूरेटर और यूनिवर्सिटी ऑफ पोर्ट्समाउथ के एक वैज्ञानिक ने ऐसे पदचिह्नों की खोज की है, जो ब्रिटेन में आखिरी डायनासोरों के हैं।

ये पदचिह्न केंट के फोकस्टोन में तटीय क्षेत्र और चट्टानों पर मिले हैं। यहां तूफानी परिस्थितियों के कारण चट्टानों और तटीय जलीय क्षेत्र के प्रभावित होने से लगातार नए जीवाश्मों का पता चलता है। यूनिवर्सिटी ऑफ पोर्ट्समाउथ में पुराजैविकी के प्रोफेसर डेविड मार्टिल ने कहा, 'यह पहली बार है जब फोकस्टोन फॉर्मेशन नामक चट्टानी सतह पर पैरों के ये निशान मिले हैं और यह बेहद महत्वपूर्ण खोज है क्योंकि ये डायनासोर विलुप्त होने से पहले देश में आखिरी रहे होंगे।'

उन्होंने कहा, 'वे उस जगह के करीब घूम रहे थे जहां अब डोवर की सफेद चट्टान हैं। अगली बार जब आप नौकायन पर निकलें और इन शानदार चट्टानों को देखें तो बस आस-पास उनकी मौजूदगी की कल्पना करें।' संबंधित रिपोर्ट 'प्रोसीडिंग्स ऑफ द जियोलॉजिस्ट्स एसोसिएशन' पत्रिका के इस सप्ताह के अंक में प्रकाशित हुई है। डायनासोरों के पैरों के कुछ निशान फोकस्टोन संग्रहालय में भी प्रदर्शित किए गए हैं। हेस्टिंग्स म्यूजियम एंड आर्ट गैलरी से जुड़े क्यूरेटर फिलिप हाडलैंड इसके मुख्य लेखक हैं।

पाकिस्तान ने सीआईए को अपनी जमीन के इस्तेमाल की नहीं दी मंजूरी, इसलिए ठुकराया अमेरिका का प्रस्ताव

कोलंबो। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अब अमेरिका से पंगा ले लिया है। इमरान खान ने अमेरिका के एक बड़े प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। अब देखना होगा कि पाकिस्तान के इस कदम का अमेरिका किस तरह से जवाब देगा। दरअसल अमेरिका ने पाकिस्तान सरकार से अनुरोध किया था कि वो पाकिस्तान के बलूचिस्तान सूबे में उसे एक सीक्रेट एयरबेस मुहैया करवाएं।

अमेरिका का बलूचिस्तान में एयरबेस मांगने का मकसद अफगानिस्तान में सीक्रेट ड्रोन मिशन को अंजाम देने के लिए था। आपको बता दें कि अमेरिका ने पाकिस्तान को दी जाने वाली आर्थिक मदद पर रोक लगाई हुई है लेकिन इस मांग के बदले उसने इसे एक बार फिर से शुरु करने का लालच दिया था।

पाकिस्तान ने क्यों ठुकराया अमेरिका का प्रस्ताव?

अब सवाल उठता है कि आखिरकार तंगहाली की स्थिति में पहुंच चुकी पाकिस्तानी सरकार ने अमेरिका के इस प्रस्ताव को क्यों ठुकरा दिया? दरअसल अफगानिस्तान पाकिस्तान का अच्छा दोस्त है। ऐसे में पाकिस्तान अफगानिस्तान से किसी भी सूरत में अपने रिश्ते खराब नहीं करना चाहता।

एक अमेरिकी वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में इमरान खान ने कहा कि अफगानिस्तान से अमेरिका ने इसी साल वापसी की है। ऐसे में सीआईए रो पाकिस्तानी धरती से अपने ऑपरेशन को लॉन्च करने की अनुमति बिल्कुल नहीं दी जाएगी। इससे पहले रिपोर्ट्स में कि पाकिस्तान ने अमेरिका को अफगानिस्तान में मिशन संचालित करने की अनुमित का दावा किया गया था जिसके बाद पाकिस्तान में बवाल मच गया था। यही कारण है कि इमरान सरकार ने तुरंत इस फैसले को बदलते हुए अमेरिका को एयरबेस देने से इनकार कर दिया था।

अमेरिकी रक्षा मंत्री और सीआईए के डायरेक्टर ने किए थे कई दौरे

इमरान सरकार के इस फैसले के बाद अमेरिकी रक्षा मंत्री और खुफिया एजेंसी सीआईए के डायरेक्टर ने इस्लामाबाद के लगातार दौरे किए जिससे कि किसी भी तरह बात बन जाए लेकिन पाकिस्तान फिर भी नहीं माना। ऐसे में अब माना जा रहा है कि अमेरिका और पाकिस्तान के रिश्ते खराब हो सकते हैं।

9/11 हमले के बाद अमेरिकी सेना ने तालिबान से बदला लेने के लिए पाकिस्तान के दो हवाई अड्डों का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था। बता दें कि अमेरिका ने अफगानिस्तान में सैन्य अभियानों के लिए पाकिस्तान के बलूचिस्तान स्थित शम्सी और सिंध के शहबाज एयर बेस का खूब इस्तेमाल किया है।

2011 में खाली करवाए थे एयर बेस

शहबाज एयर बेस से अमेरिकी लड़ाकू विमान जबकि शम्सी एयरबेस से ड्रोन ऑपरेशन को अंजाम दिया जाता था। 2011 में पाकिस्तान द्वारा अमेरिका से इन एयर बेसों को खाली करवाने के बाद अमेरिका अब इनका इस्तेमाल नहीं कर सकता।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में लव जिहाद का एक और मामला दर्ज, आरोपी विधर्मी युवक गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

वलसाड,वडोदरा के बाद वलसाड में लव जिहाद का दूसरा मामला दर्ज हुआ है। पुलिस ने शादी की लालच और भाई की हत्या करने की धमकी देकर युवती को भगा ले जानेवाले मुस्लिम युवक को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है। बता दें शुक्रवार को वडोदरा में धर्म स्वास्थ्य कानून के तहत पुलिस ने मामला दर्ज किया था। जानकारी के मुताबिक वलसाड के वापी में रहनेवाली 19 वर्षीय युवती को पड़ौस में रहनेवाला इमरान वशी नामक युवक शादी की लालच देकर 10 जून को भगा ले गया था। युवती जाने से इंकार करे तो उसके भाई को जान से मार देने की इमरान ने धमकी दी

थी। डर के मारे युवती इमरान के साथ भागने को मजबूर हो गई। युवती को लेकर इमरान अजमेर शरीफ गया, जहां उसके साथ जबरन निकाह करने का प्रयास किया। बाद में इमरान युवती को लेकर इंदौर में रहने लगा। दूसरी पुलिस को इमरान और युवती के इंदौर में होने की जानकारी मिली और पुलिस दोनों को वापी ले आई। 10 जून के बाद इमरान ने युवती के साथ अनेकों बार दुष्कर्म किया होने का युवती से पूछताछ में खुलासा हुआ है। पीडिता को धर्म परिवर्तन के लिए इमरान मजबूर कर रहा था। युवती उसके कहे मुताबिक न करे तो वह उसे मारपीट करता था। वापी पुलिस ने इमरान वशी को गिरफ्तार कर धर्म स्वातंत्र्य कानून के तहत कानूनी कार्रवाई शुरूकी है।

वैक्सीनेशन महाअभियान का आयोजन

आज से शुरूहोगा राज्यव्यापी कोविड वैक्सीनेशन महाअभियान

क्रांति समय दैनिक

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कोविड वैक्सीनेशन को और व्यापक बनाने के लिए सोमवार, २१ जून से राज्यव्यापी वैक्सीनेशन महाअभियान शुरू करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन के लिए सभी लोग सजग बने और प्रत्येक व्यक्ति वैक्सीन लगवाए। इतना ही नहीं, वैक्सीनेशन को लेकर प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी को समझे उस उद्देश्य से वैक्सीनेशन महाअभियान का आयोजन किया है। ३३ जिलों और ८ महानगर पालिका क्षेत्र के १०२५ टीकाकरण केंद्रों पर मंत्रीगण, अग्रणी और महानुभावों की उपस्थिति में २१ जून की सुबह ९ बजे वैक्सीन उत्सव मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी गांधीनगर के सेक्टर-८ स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित वैक्सीन उत्सव में शरीक होंगे। मुख्यमंत्री ने व्यापक और समयबद्ध वैक्सीनेशन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि गुजरात के सभी नागरिकों को मुफ्त वैक्सीन मिल सके उसके लिए केंद्र सरकार ने वैक्सीन की पर्याप्त खेप उपलब्ध कराई है। राज्य में हर आयु वर्ग के नागरिकों को मुफ्त वैक्सीन दी जाएगी। रूपाणी ने कहा कि १८ से ४४ आयु समूह के युवाओं के वैक्सीनेशन के लिए भी राज्य सरकार ने पर्याप्त आयोजन किया है। उन्होंने कहा कि २१ जून से युवाओं को वैक्सीन लेने के लिए पहले से रजिस्ट्रेशन नहीं करना होगा। अब हर कोई वॉक-इन वैक्सीनेशन के तहत वैक्सीन लगवा

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

सकेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में सभी नागरिकों को उनके निकटवर्ती स्थान पर ही वैक्सीन उपलब्ध कराने के लिए राज्य में वैक्सीनेशन बूथ की संख्या भी बढ़ाकर ५००० कर दी गई है। वैक्सीनेशन के मामले में गुजरात आगे है। २० जून तक २ करोड़ २० लाख डोज के साथ गुजरात देशभर में अव्वल है। फ्रंटलाइन वॉरियर्स और ४४ से अधिक उम्र के लोगों के वैक्सीनेशन में भी गुजरात अन्य राज्यों की तुलना में आगे है। यही नहीं, पर मिलियन वैक्सीनेशन यानी प्रति दस लाख आबादी पर वैक्सीनेशन के मामले में गुजरात पहले स्थान पर है। अब तक गुजरात में ४५ वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों को वैक्सीन की १३८१२५९५ डोज दी गई है। वहीं, हेल्थ वर्कर्स और अग्रिम पंक्तिके योद्धाओं को ३०७५१६३ डोज दी गई है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में वैक्सीन ही एकमात्र अमोघ शस्त्र है। विशेषज्ञ कोरोना की तीसरी

सूरत के गोलवाड़ में जर्जर 3 मंजिला इमारत गिरी, दमकल विभाग ने 13 साल के बच्चे को मलबे से निकाला

क्रांति समय दैनिक

सूरत शहर के गोलवाड़ इलाके में 3 मंजिला इमारत ढह गई और अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला. घटना की जानकारी होने पर दमकल विभाग पहुंची और जांच की कि कोई मलबे के नीचे नहीं फंसा है। उनमें से एक 13 वर्षीय लड़के को मलबे के नीचे से बाहर निकाला गया। इस दौरान महापौर मौके पर पहुंचे।

गोलवड इलाके में एक तीन मंजिला इमारत ढह गई.एक जर्जर इमारत ढह

गई, जिससे अफरातफरी का माहौल हो गया. अचानक तीन से चार मंजिला उंची इमारत ढह गई, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। जैसे ही इमारत ढही, लोग मौके पर पहुंचे और यह पता लगाने की कोशिश की कि कहीं कोई मलबे में तो नहीं फंसा है।

हालांकि इस पूरी घटना में तीन लोग घायल पाए गए हैं। इमारत ढहते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

सार–समाचार

ब्याजखोरों के आतंक से तंग आकर युवक ने आत्महत्या कर ली

अहमदाबाद,शहर में ब्याजखोरों के आतंक से तंग आकर आत्महत्या करने की एक और घटना सामने आई है। उंचा ब्याज दर और पठानी वसूली से परेशान युवक ने आत्महत्या से पहले वीडियो बनाया, जिसमें ब्याजखोरों के नाम का उल्लेख है। पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के खोखरा क्षेत्र में रहनेवाला एक युवक छुटपुट मजदूरी कर जीवनयापन करता था। पिछले 8 महीनों से बेरोजगार होने की वजह से युवक पर दो लाख रूपए का कर्ज हो गया था। ब्याज की उंची दर और पठानी वसूली से आकर युवक ने आत्महत्या करने का फैसला कर लिया। आत्महत्या से पहले युवक ने एक वीडियो बनाया, जिसमें ब्याजखोरों के नामों का उल्लेख किया और उसके बाद अपनी जान दे दी। वीडियो में युवक ने किसे कितने रूपए देने हैं, इसका भी उल्लेख किया है। टांक रिशी नामक लोगों को 54 हजार रूपए देने का जिक्र वीडियो में किया गया है। जिसके बदले में रिशी टांक ने युवक की मोटर साइकिल ले ली थी। रिशी और उसकी बहन ने युवक के साथ मारपीट भी की थी। खोखरा पुलिस ने पूनम रबारी, प्रजय दवे, रिशी टांक, चिराग पंड्या और टीनी टांक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरूकी है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुजरात दौरे पर, कई विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

अहमदाबाद,केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिन के गुजरात पर आ रहे हैं। शाह को गुजरात का दो दिवसीय दौरा महत्वपूर्ण काफी माना जा रहा है। अपने गांधीनगर संसदीय क्षेत्र में शाह अलगअलग विकास कार्यों को लोकार्पण करेंगे। साथ ही भाजपा संगठनके बड़े नेताओं के साथ बैठक भी कर सकते हैं। दो दिवसीय दौरे के दौरान अमित शाह अहमदाबाद समेत गांधीनगर में बने ऑवर ब्रिज का उदघाटन करेंगे। जिसमें एसजी हाईवे पर वैष्णोदेवी फ्लाईऑवर और खोडियार कंटेनर डेपो फ्लाईऑवर ब्रिज शामिल हैं। जिसके पश्चात नवनिर्मित ऑवर ब्रिज और पानसर छत्राल रेलवे ऑवर ब्रिज का भी उदघाटन करेंगे। अमित शाह कलोल में एपीएमसी के नए भवन का लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा कोलवडा और रूपाल में वैक्सीनेशन केन्द्र का भी दौरा करेंगे। इन सभी कार्यक्रमों के बाद अमित शाह अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। 22 जून को चार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में आयोजित पौध कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

आईटी मंत्री ने सोशल मीडिया कंपनियों से कहा- बोलने की आजादी, लोकतंत्र पर भारत को भाषण न दें

पुणे। (एजेंसी)।

केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने शनिवार को सोशल मीडिया मंचों से कहा कि वे 'बोलने की आजादी' और 'लोकतंत्र' पर भारत को भाषण न दें और दोहराया कि अगर 'लाभ कमाने वाली ये कंपनियां' भारत में कमाई करना चाहती हैं तो उन्हें 'भारत के संविधान और भारतीय कानूनों' का पालन करना होगा। सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा सिम्बायोसिस स्वर्ण जयंती व्याख्यान श्रृंखला के तहत आयोजित 'सोशल मीडिया एवं सामाजिक सुरक्षा तथा अपराध न्याय प्रणाली सुधार : एक अधूरा एजेंडा' विषय पर व्याख्यान देते हुए मंत्री ने कहा कि नए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) दिशानिर्देश सोशल मीडिया के इस्तेमाल से संबंधित नहीं हैं लेकिन सोशल मीडिया मंचों के 'दुष्प्रयोग' और 'गलत इस्तेमाल' से निपटते हैं। प्रसाद ने कहा कि शुक्रवार को घोषित किये गए नए आईटी नियम इन मंचों का उपयोग करने वालों को उनकी शिकायतों के समाधान के लिये एक तंत्र उपलब्ध कराते हैं।

उन्होंने कहा कि इन कानूनों का उद्देश्य सोशल मीडिया फर्मों पर सामग्री को विनियमित करना और फेसबुक, व्हाट्सऐप तथा ट्विटर जैसों को पोस्ट को शीघ्रता से हटाने के लिये किये गए कानूनी अनुरोधों तथा संदेशों के प्रवर्तकों का विवरण साझा करने के अनुरोधों के प्रति और जवाबदेह बनाना है। प्रसाद ने कहा, 'नए नियमों के तहत सोशल मीडिया कंपनियों को भारत स्थित शिकायत निवारण अधिकारी, अनुपालन अधिकारी और नोडल अधिकारी की तैनाती करने की जरूरत है जिससे सोशल मीडिया के करोड़ों उपभोक्ताओं को उनकी शिकायतों के निवारण के लिये एक मंच मिल सके।' उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य के लिये देश में स्थित तीन अधिकारियों की नियुक्ति के लिये कहकर कोई उनसे 'कायनात' नहीं मांग रहा। उन्होंने कहा, 'यह मूलभूत जरूरतें हैं। मैं जोर देकर दोहराना चाहूंगा कि भारत को अमेरिका में रहकर लाभ कमाने वाली कंपनी से बोलने की स्वतंत्रता और लोकतंत्र पर व्याख्यान की जरूरत नहीं है।

भारत में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव होते हैं, स्वतंत्र न्यायपालिका, मीडिया, नागरिक संस्थाएं हैं। मैं यहां छात्रों से बात कर रहा हूं और उनके सवालों को सुन रहा हूं और यह असली लोकतंत्र है। इसलिये लाभ कमाने वाली इन कंपनियों को हमें लोकतंत्र पर भाषण नहीं देना चाहिए।' विधि एवं न्याय मंत्रालय की जिम्मेदारी भी संभालने वाले प्रसाद ने पूछा, 'जब भारतीय कंपनियां अमेरिका में कारोबार करने के लिये जाती हैं तो क्या वे अमेरिकी कानून का पालन नहीं करतीं? आप अच्छा धन कमाते हैं, अच्छा लाभ कमाते हैं क्योंकि भारत एक डिजिटल बाजार है, यहां कोई समस्या नहीं है। प्रधानमंत्री की आलोचना कीजिए, मेरी निंदा कीजिए, मुश्किल सवाल पूछिए लेकिन आप भारतीय कानूनों का सम्मान क्यों नहीं करेंगे? अगर आप भारत में कारोबार करना चाहते हैं तो आपको भारतीय संविधान और भारतीय कानून का पालन करना होगा।

अंबिका चौधरी के इस्तीफे से बसपा को लगा एक और झटका

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी को एक और बड़ा झटका देते हुए, वरिष्ठ नेता और राज्य की पूर्व मंत्री अंबिका चौधरी ने जिम्मेदारी की कमी का हवाला देते हुए और नैतिक आधार पर भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

समाजवादी पार्टी (सपा) ने शनिवार को अंबिका चौधरी के बेटे आनंद चौधरी को बलिया जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया था। अंबिका चौधरी ने कहा कि हालांकि वह समाजवादी पार्टी में शामिल नहीं हुई हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि बसपा में बने रहना उनके लिए नैतिक रूप से सही नहीं है। अंबिका चौधरी मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव सरकारों के तहत कैबिनेट मंत्री रही हैं और समाजवादी नेताओं के साथ उनकी निकटता के लिए जानी जाती थीं। वह 2017 में सपा के भीतर पारिवारिक कलह के बाद बसपा में शामिल हुई थी।

सार समाचार

केरल की पूर्व स्वास्थ्य मंत्री शैलजा प्रतिष्ठित यूरोपीय पुरस्कार से सम्मानित

तिरुवनंतपुरम। केरल की पूर्व स्वास्थ्य मंत्री केके शैलजा को सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए प्रतिष्ठित 'सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी (सीईयू) ओपन सोसाइटी' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। ओपन सोसाइटी पुरस्कार हर साल असाधारण विशिष्ट व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार की घोषणा हाल में ऑनलाइन आयोजित 30वें स्नातक समारोह के दौरान की गई थी। सीईयू के अध्यक्ष माइकल इग्नातीफ ने 'शैलजा टीचर' को पुरस्कार के लिए चुने जाने की घोषणा की और कहा कि इस वर्ष यह पुरस्कार विकासशील दुनिया की ''असाधारण लोक सेवक'' को दिया गया है।

पारिवारिक शादी में मतभेद भुलाकर साथ आया यादव परिवार

इटावा। परिवार में एक शादी ने यादव खानदान को उनके मतभेदों के बावजूद एक साथ आने का बहुत जरूरी अवसर प्रदान किया है। पूर्व सांसद तेजप्रताप यादव की बहन दीपाली यादव की शादी में शामिल होने के लिए समाजवादी संरक्षक मुलायम सिंह यादव, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और अलग हुए सपा नेता शिवपाल यादव अपने परिवार के साथ इटावा के सैफई पहुंचे हैं। तेज प्रताप मुलायम के भतीजे रणवीर सिंह यादव के बेटे हैं। मुलायम सिंह यादव की पोती दीपाली, चंडीगढ़ के केंद्रीय विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर और फिरोजाबाद के मूल निवासी अश्विनी यादव के साथ शादी के बंधन में बंध रहीं है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, कोरोनावायरस महामारी के कारण इस कार्यक्रम में केवल परिवार के सदस्य ही शामिल होंगे। समारोह में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के दो बेटे तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव और उनकी बेटी मीसा भारती समेत उनके परिवार के भी शामिल होने की संभावना है। पूर्व सांसद तेज प्रताप की पत्नी लालू की बेटी राज लक्ष्मी हैं।

1 जुलाई से दस्तक अभियान शुरू करेगा यूपी

लखनऊ, 20 जून (आईएएनएस)। उत्तर प्रदेश 1 जुलाई से दस्तक अभियान शुरू करेगा, जो योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा अपनाई गई एक व्यापक सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार रणनीति का अहम हिस्सा है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को अन्य विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने और इंसेफेलाइटिस, मलेरिया, चिकनगुनिया और अन्य बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने को कहा गया है। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शुरू कर दिया गया है और हर गांव में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत किया गया है। एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, सभी प्रखंड विकास अधिकारियों (बीडीओ), जिला पंचायत राज अधिकारियों, जिला स्कूल निरीक्षकों, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और सभी विभागों के अधिकारियों को अभियान में अपना समर्थन देने के लिए कहा गया है। एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, सभी प्रखंड विकास अधिकारियों (बीडीओ), जिला पंचायत राज अधिकारियों, जिला स्कूल निरीक्षकों, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और सभी विभागों के अधिकारियों को अभियान में अपना समर्थन देने के लिए कहा गया है। राज्य सरकार ने देश भर में लगभग 73,000 निगरानी समितियों का गठन किया है जो मौसमी बुखार, वेक्टर और जल जनित बीमारियों के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

केरल कांग्रेस अध्यक्ष सुधाकरन ने विजयन को दी बहस की चुनौती

तिरुवनंतपुरम। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष और सांसद के. सुधाकरन ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को उनके साथ बहस करने की चुनौती दी है। केपीसीसी अध्यक्ष ने एक लोकप्रिय मलयालम साप्ताहिक के साथ साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने अपने कॉलेज के दिनों में पिनाराई विजयन को लात मारी थी और पिनाराई उन दिनों एक डरपोक व्यक्ति थे। सुधाकरण को जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केपीसीसी अध्यक्ष उन्हें परेशान करने के बारे में सपना देख रहे थे और उन दिनों कई लोगों का सपना था कि उन्हें शारीरिक रूप से डराया-धमकाया जाए, लेकिन उन तक नहीं पहुंच सके। सुधाकरन ने जुबानी जंग जारी रखते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के खिलाफ हमला निजी है और मुख्यमंत्री माफिया किंग हैं। रविवार को एक फेसबुक पोस्ट में, सुधाकरन ने कहा कि वह विजयन के खिलाफ अपना हमला तब तक जारी रखेंगे जब तक कि वह उन्हें राजनीतिक बहस में शामिल नहीं कर लेते।

ग्वालियर-श्योपुर रेलखंड को ब्रॉडगेज करने की योजना की बजट संबंधी दिक्कत दूर की जाए : सिंधिया

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर-श्योपुर रेलखंड को नैरोगेज से ब्रॉडगेज में बदलने को मंजूरी मिल चुकी है, मगर पर्याप्त बजट नहीं मिला है। राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रेल मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखकर बजट की बाधा को दूर करने का अनुरोध किया है। सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के जनसंपर्क अधिकारी डा केशव पांडे ने बताया है कि सिंधिया ने रेल मंत्री गोयल को लिखे पत्र में आग्रह किया है कि ग्वालियर-श्योपुर रेलखंड जो कि पूर्व में नैरोगेज रेल खंड था, उसको ब्राडगेज के रूप में परिवर्तित करने की स्वीकृति रेल मंत्रालय ने दी थी। उसका टेंडर भी हो चुका है। उक्त प्रोजेक्ट लगभग तीन हजार करोड़ की लागत का है, लेकिन पिछले रेल बजट में मात्र 25 करोड रुपये जारी किया गया जिससे कार्य बेहतर तरीके से सम्पादित नही हो पा रहा है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है, कोरोना काल एवं इस रेल खंड पर गेज परिवर्तन का कार्य होने के कारण मार्च 2020 से यात्री ट्रेन का संचालन भी बंद है।

अमित शाह सोमवार को गुजरात दौरे पर

गांधीनगर । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह कुछ अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के अलावा कुछ विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए सोमवार को अपने गृह राज्य गुजरात का दौरा करेंगे। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता यमल व्यास ने आईएएनएस को बताया, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सोमवार को यहां होंगे। हम उम्मीद कर रहे हैं कि वह मंगलवार सुबह भी यहां आएंगे, हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

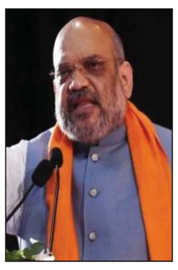

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, शाह सोमवार को सुबह 10 बजे सरखेज-गांधीनगर राजमार्ग (एसजी रोड) पर गांधीनगर के पास दो फ्लाईओवर, वैष्णोदेवी सर्कल के ऊपर और दूसरा खोराज में लोगों को समर्पित करेंगे। इन दोनों फ्लाईओवर से एसजी रोड पर ट्रैफिक काफी कम हो जाएगा। समारोह के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और डिप्टी सीएम नितिन पटेल के भी मौजूद रहने की उम्मीद है। इसके बाद शाह सुबह 11 बजे कलोल में नवनिर्मित एपीएमसी कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। चल रहे टीकाकरण अभियान को बढ़ावा देने के लिए शाह के गांधीनगर में एक टीकाकरण केंद्र में भी मौजूद रहने की उम्मीद है, जो उनका संसदीय क्षेत्र है। शाह आदर्श संसद ग्राम योजना के तहत गोद लिए गए अपने गांवों कोलावाड़ा और रूपल का भी दौरा करेंगे और स्कूलों में किए जाने वाले टीकाकरण अभियान की निगरानी करेंगे। शाह के रूपल में शक्तिपीठ वरदायिनी माता मंदिर की यात्रा के साथ अपनी यात्रा समाप्त करने की उम्मीद है।

अब राजस्थान में अनाथ बच्चों पर सियासत

जयपुर (एजेंसी)।

राजस्थान में इन दिनों राजनीति अनाथ बच्चों के इर्द-गिर्द केंद्रित होती दिख रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोविड के कारण अनाथ बच्चों के लिए घोषित पैकेज की आलोचना की और राजस्थान सरकार द्वारा घोषित पैकेज की प्रशंसा की।

इस बीच, राज्यसभा भाजपा सांसद किरोरीलाल मीणा ने शनिवार को 30 अनाथ बच्चों और उनके परिवारों के साथ मुख्यमंत्री आवास के पास धरना देकर सभी को चौंका दिया और उनके लिए एक अच्छी तरह से परिभाषित आर्थिक पैकेज की मांग की। उनका धरना एक दिन बाद हुआ, जब गहलोत ने कहा कि कोविड-19 में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों के लिए केंद्र के कल्याणकारी उपाय दोषपूर्ण हैं और उन्होंने संशोधन की मांग की, क्योंकि ये तत्काल राहत देने वाले उपाय नहीं हैं। गहलोत ने यह भी दावा किया कि केंद्र ने उन महिलाओं की मदद के लिए किसी योजना की घोषणा नहीं की, जिनके पतियों ने कोविड के कारण दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र के पैकेज ने तत्काल राहत प्रदान नहीं की, जो कि उन बच्चों के लिए

अत्यंत महत्वपूर्ण थी, जिन्होंने अपने माता-पिता को कोविड-19 के कारण खो दिया। भारत सरकार का पैकेज दोषपूर्ण है और इसके बारे में भ्रम है। सरकार वित्तीय सहायता प्रदान करेगी एक बच्चे के 18 साल की उम्र तक पहुंचने के बाद। कौन जानता है कि 18 साल बाद कौन कहां होगा? पैकेज का मतलब तत्काल मदद है। राजस्थान के मुख्यमंत्री ने कहा, वह इस योजना के बारे में प्रधानमंत्री से बात करेंगे। उनकी आलोचना के एक दिन बाद, राज्यसभा सांसद मीणा ने मांग की कि राजस्थान में अनाथ बच्चों को एक-एक लाख रुपये, मुफ्त कॉलेज शिक्षा और वयस्क होने तक 7,000 रुपये प्रति माह की सहायता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भोजन और राशन से संबंधित उनकी आवश्यकताओं की व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि अगर अनाथ बच्चे स्कूल में हैं तो उन्हें सालाना 25,000 रुपये एक बार में दिए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री आवास पर मीणा के विरोध ने सुरक्षा तंत्र को चौंका दिया, क्योंकि न तो खुफिया अधिकारियों और न ही सुरक्षा अधिकारियों को इसकी जानकारी थी। राजस्थान सरकार ने उन बच्चों को एक लाख रुपये की तत्काल राहत देने की घोषणा की थी, जिनके माता-पिता कोविड से मर गए और महिलाएं, जो महामारी के दौरान विधवा हो गईं। इसके अतिरिक्त, इन बच्चों को 18 वर्ष की आयु तक 2,500 रुपये प्रति माह और 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर 5 लाख रुपये मिलेंगे, जबकि विधवाओं को 1,500 रुपये मासिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन मिलेगी। मीणा ने राज्य में अन्य अनाथ बच्चों के लिए भी इसी तरह के पैकेज की मांग की। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खरियावास मुख्यमंत्री आवास पहुंचे और मीणा से बात की। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी मांगों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। मीणा ने अंततः विरोध समाप्त कर दिया।

जम्मू-कश्मीर के आर्थिक विकास में तेजी लाना ही एकमात्र उद्देश्य : मनोज सिन्हा

जमू। (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि उनके प्रशासन का एकमात्र उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश के आर्थिक विकास में तेजी लाकर उसे बहुआयामी बनाना है। सिन्हा ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण प्रदेश में नयी औद्योगिक योजनाओं की गति रुक गई है, लेकिन आने वाले दिनों में इसे तेज करने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। उपराज्यपाल ने अवाम की आवाज नामक अपने रेडियो कार्यक्रम में कहा, ''हम कोरोना महामारी के कारण बुरी तरह प्रभावित हुए व्यापार, उद्योग और पर्यटन क्षेत्र की ओर ध्यान दे रहे हैं। इन क्षेत्रों की सुविधा के मुताबिक ही फैसले लिए जाएंगे। जम्मू-कश्मीर की कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए युद्धस्तर पर काम किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में प्रशासन का एकमात्र उद्देश्य जम्मू-कश्मीर के आर्थिक विकास में तेजी लाकर उसे बहुआयामी बनाना है।

जम्मू-कश्मीर की सरकार बेहतर वित्तीय प्रबंधन, पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांतों का पालन करते हुए क्षेत्र के संपूर्ण विकास के अपने एजेंडा को ही आगे बढ़ा रही है। उपराज्यपाल ने कहा कि हाल ही में 12,600 करोड़ रुपये के जिला कैपेक्स बजट की घोषणा ऐतिहासिक है और यह पिछले साल के 5,134 करोड़ रुपये के बजट के दोगुने से भी अधिक है। उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में कुछ असामाजिक तत्व विकास कार्यों के त्वरित निष्पादन और कोविड-19 के बेहतर प्रबंधन को पचा नहीं पा रहे हैं, इसलिए तरह-तरह की अफवाह उड़ा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमें ऐसी सभी अफवाहों को खारिज कर प्रदेश के विकास के लिए रचनात्मक भूमिका निभाने पर ध्यान देने की जरूरत है। पिछले कई दशकों से ऐसे लोगों ने जानबूझकर हमारी युवा पीढ़ी को व्यक्तिगत लाभ के लिए गुमराह किया और उन्हें विकास के लाभ से वंचित रखा। इसलिए आप सभी से मेरा विनम्र निवेदन है कि इस तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें।'' उपराज्यपाल ने कोविड-19 महामारी के खिलाफ जारी लड़ाई में अहम भूमिका निभाने वाले स्वास्थ्यकर्मियों, चिकित्सकों और अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा, ''अपनी मेहनत से उन्होंने जम्मू-कश्मीर के भविष्य की आधारशिला रखी है। आज जम्मू-कश्मीर में नया सवेरा हुआ है और वह एक बेहतर समाज के रूप में आगे बढ़ रहा है। इसका श्रेय स्वास्थ्यकर्मियों, चिकित्सकों और अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर्मचारियों को जाता है।'' सिन्हा ने कहा कि लोगों के सामूहिक प्रयासों के परिणामस्वरूप केन्द्र शासित प्रदेश में कोविड-19 की स्थिति नियंत्रण में आ रही है। उन्होंने लोगों से कोविड संबंधी नियमों का पालन करने की अपील भी की।

शिवसेना विधायक ने उद्धव को लिखा पत्र, भाजपा के साथ मेलमिलाप करने को कहा

मुंबई। (एजेंसी)।

धनशोधन के आरोपों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की निगरानी का सामना कर रहे शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर उनसे अपील की है कि ''बहुत देर होने से पहले'' भाजपा के साथ मेलमिलाप करना ही ठीक रहेगा। सरनाईक ने 10 जून के अपने पत्र में कहा है कि यद्यपि भाजपा से गठबंधन टूट गया है, लेकिन 'युति' (भाजपा-शिवसेना) के नेताओं के बीच व्यक्तिगत और सौहार्दपूर्ण संबंध बने हुए हैं। विधायक ने अपने पत्र में कहा है, ''बहुत देर होने से पहले मेलमिलाप करना बेहतर रहेगा।'' उद्धव ठाकरे नीत पार्टी के भाजपा के साथ गठबंधन से अलग होने के बाद शिवसेना ने राकांपा और कांग्रेस के साथ मिलकर 2019 में महा विकास आघाड़ी सरकार बनाई थी। पिछले साल नवंबर में, ईडी ने धनशोधन के मामले में सरनाईक के महाराष्ट्र स्थित परिसरों पर छापेमारी की थी। यह उल्लेख करते हुए कि मुंबई सहित महाराष्ट्र के कई शहरों में नगर निकाय चुनाव होने हैं, सरनाईक ने मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा, ''अभिमन्यु और कर्ण की तरह स्वयं का बलिदान करने की जगह मैं अर्जुन की तरह युद्ध लड़ने में विश्वास करता हूं। यही कारण है कि अपने नेताओं या सरकार से कोई मदद लिए बिना मैं पिछले सात महीने से अपनी कानूनी लड़ाई लड़ रहाहूं।'' ठाणे

जिले से विधायक सरनाईक ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस और राकांपा शिवसेना में दरार डालने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फिर से हाथ मिलाना बेहतर रहेगा क्योंकि शिवसैनिकों को लगता है कि यह मेरे जैसे, अनिल परब और रवींद्र वायकर जैसे शिवसेना नेताओं को समस्याओं से बचाएगा।'' उल्लेखनीय है कि भाजपा के पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने आरोप लगाया था कि उक्त तीनों शिवसेना नेता भ्रष्ट गतिविधियों में लिप्त हैं। सरनाईक ने अपने पत्र में सोमैया का नाम नहीं लिखा, लेकिन कहा कि ''एक नेता जो शिवसेना की वजह से 'पूर्व सांसद' हो गए हैं'' पार्टी की छवि खराब कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शिवसेना विधायकों को लगता है कि पार्टी के लोगों का काम नहीं हो रहा और केवल कांग्रेस तथा राकांपा के विधायकों का काम ही हो रहा है।

केंद्र ने न्यायालय से कहा, कोविड-19 से मौत पर परिवार को नहीं दे सकते मुआवजा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्र ने उच्चतम न्यायालय को बताया है कि कोविड-19 से जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को चार लाख रुपये मुआवजा नहीं दिया जा सकता क्योंकि वित्तीय बोझ उठाना मुमकिन नहीं है और केंद्र तथा राज्य सरकारों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। शीर्ष अदालत में एक हलफनामे में गृह मंत्रालय ने कहा है कि आपदा प्रबंधन कानून 2005 की धारा 12 के तहत ''न्यूनतम मानक राहत'' के तौर पर स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना बढ़ाने, प्रत्येक नागरिक को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस और तेज कदम उठाए गए हैं। हलफनामे में कहा गया, ''कोविड-19 के कारण जान गंवाने वाले सभी लोगों के परिवारों को मुआवजा देना राज्य सरकारों के वित्तीय बूते के बाहर है। महामारी के कारण राजस्व में कटौती और स्वास्थ्य संबंधी खर्च बढ़ने से राज्य सरकारों और केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति पहले से दबाव में है।'' केंद्र द्वारा दाखिल हलफनामे में कहा गया, ''इसलिए मुआवजा देने के लिए सीमित संसाधनों के इस्तेमाल से दुर्भाग्यपूर्ण परिणाम होंगे और महामारी से निपटने और स्वास्थ्य खर्च पर असर पड़ सकता है तथा लाभ की तुलना में नुकसान ज्यादा होगा। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण लेकिन महत्वपूर्ण तथ्य है कि सरकारों के संसाधनों की सीमाएं हैं और मुआवजे के माध्यम से कोई भी अतिरिक्त बोझ अन्य स्वास्थ्य और कल्याणकारी योजनाओं के लिए उपलब्ध धन को कम करेगा।''

केंद्र ने कहा है कि आपदा प्रबंधन कानून, 2005 की धारा 12 के तहत ''राष्ट्रीय प्राधिकार'' है जिसे अनुग्रह सहायता सहित राहत के न्यूनतम मानकों के लिए दिशा-निर्देशों की सिफारिश करने का अधिकार है और संसद द्वारा पारित कानून के तहत यह प्राधिकर को सौंपा गया कार्य है। हलफनामे में कहा गया कि यह सर्वोच्च न्यायालय के कई निर्णयों के माध्यम से अच्छी तरह से तय हो गया है कि यह एक ऐसा मामला है जिसे प्राधिकरण द्वारा निष्पादित किया जाना चाहिए, जिसे इसकी जिम्मेदारी दी गयी है और अदालत के माध्यम से यह नहीं होना चाहिए। इसमें कहा गया, ''दूसरे माध्यम से कोई भी प्रयास अनपेक्षित और दुर्भाग्यपूर्ण संवैधानिक और प्रशासनिक प्रभाव पैदा कर सकता है। यह भी ध्यान दिया जा सकता है कि एक्स-ग्रेशिया शब्द ही यह दर्शाता है कि राशि कानूनी अधिकार पर आधारित नहीं है।'' केंद्र ने शीर्ष अदालत से कहा कि यह उल्लेख करना गलत है कि अनुग्रह राशि से ही मदद की जा सकती है क्योंकि यह पुराना और संकीर्ण दृष्टिकोण होगा।हलफनामे में कहा गया, ''स्वास्थ्य देखभाल, सामाजिक सुरक्षा और प्रभावित

समुदायों के लिए आर्थिक बेहतरी जैसा व्यापक दृष्टिकोण ज्यादा विवेकपूर्ण, जिम्मेदार और टिकाऊ नजरिया होगा। वैश्विक स्तर पर दूसरे देशों में भी सरकारों ने इसी दृष्टिकोण को अपनाया है और ऐसे उपायों की घोषणा की जिससे अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिला। भारत सरकार ने भी यही दृष्टिकोण अपनाया है।'' इससे पहले 11 जून को केंद्र ने शीर्ष अदालत को बताया था कि कोविड-19 से जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को मुआवजे के लिए याचिकाओं में किए गए अनुरोध ''सही'' हैं और सरकार इस पर विचार कर रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)